सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" ये व्यक्तित्व की गरिमा है कि फूल कुछ नहीं कहते, वरना कभी काँटों को मसलकर दिखाईये ...!!"

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-205 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 13 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

संसद में राहुल बनाम शाह : छात्र आंदोलन से लेकर परिसीमन बिल तक छिड़ा सियासी संग्राम

विपक्ष की मांग - गृह मंत्री सदन में आकर दें जवाब, सरकार बोली - चर्चा के लिए तैयार है हम

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

संसद के मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तीखा टकराव देखने को मिला। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस बार सीधे गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद में लगातार हंगामा जारी है और 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे गूंज रहे हैं।

शिक्षा मंत्री से गृह मंत्री तक कैसे पहुंचा मामला

नीट और पेपर लीक विवाद को लेकर जंतर-मंतर पर छात्रों के लंबे आंदोलन के बाद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। उसी शाम राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अगला निशाना गृह मंत्री अमित शाह पर साधा। राहुल गांधी का आरोप है कि संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा बल प्रयोग, पैलेट गन और लाठीचार्ज का आदेश सीधे गृह मंत्री अमित शाह ने दिया था। उन्होंने मांग की कि अमित शाह सदन में आकर इस कार्रवाई पर जवाब दें और सरकार जवाबदेही तय करे।

'भाषण नहीं, जवाब चाहिए' - विपक्ष का रुख

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में घोषणा की कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा और जवाब देने के लिए तैयार हैं। अमित शाह ने भी कहा कि वे संसद में हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं और विपक्ष चर्चा से भाग रहा है।

इसके जवाब में राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि विपक्ष को अमित शाह का भाषण नहीं सुनना है। देश का युवा यह जानना चाहता है कि पुलिस को छात्रों पर कार्रवाई का आदेश किसने दिया।

क्या परिसीमन और FCRA बिल है असली वजह ?

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस टकराव के पीछे दो बड़े विधेयक हैं।

1. **FCRA बिल:** सरकार द्वारा लाए गए ऋछफ्छ संशोधन विधेयक पर DMK, NCP और आम आदमी पार्टी के कड़े विरोध के बाद सरकार को इसे संयुक्त संसदीय समिति JPC के पास भेजना पड़ा।

2. **परिसीमन बिल:** परिसीमन संशोधन विधेयक मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। कांग्रेस की रणनीति इस बिल पर विपक्षी एकजुटता बनाए रखने की है ताकि सरकार संसद में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा न जुटा सके और बिल टल जाए।

राहुल गांधी की रणनीति क्या है

विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई के मुद्दे ने सरकार को बैकफुट पर धकेला है। कांग्रेस इसी का फायदा उठाकर गृह मंत्री की छवि को टारगेट कर रही है।

वरिष्ठ पत्रकारों के अनुसार राहुल गांधी भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखकर यह रणनीति अपना रहे हैं। उनका मानना है कि सरकार की मुख्य धुरी अमित शाह हैं। अमित शाह को राजनीतिक रूप से घेरने से सीधे तौर पर सत्ता पक्ष का प्रभाव प्रभावित होगा।

अब देखना होगा कि हंगामे के बीच सरकार विपक्ष को चर्चा के लिए कैसे मनाती है और परिसीमन जैसे अहम बिलों का क्या भविष्य होता है।

दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज यशवंत वर्मा पर लगे सभी आरोप सही : इंक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट संसद में पेश

दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में मिले नकदी के मामले में गठित जजेस इंक्वायरी कमेटी ने उनके खिलाफ लगे सभी गंभीर आरोपों को सही माना है। कमेटी की विस्तृत रिपोर्ट 12 अगस्त को संसद के दोनों सदनों में पेश की गई।

क्या है पूरा मामला

यह मामला 14 मार्च 2025 का है। दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम को स्टोर रूम में बड़ी मात्रा में नकदी मिली। रिपोर्ट के अनुसार कमरे में 500-500 के नोटों के बंडलों से भरे बोरे रखे थे और नोटों का ढेर करीब 1.5 फीट ऊंचा था। आग लगने से कई नोट जल भी गए थे। सरकारी आवास में इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद न्यायपालिका और राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी।

मामला सामने आने के बाद तत्कालीन उखक संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय जजेस इंक्वायरी कमेटी गठित की थी।

रिपोर्ट में क्या कहा गया

कमेटी की रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा पर लगे तीनों आरोप सही पाए गए:

1. **अघोषित नकदी:** स्टोर रूम से मिले 500 के नोटों के विशाल भंडार का कोई वैध या संतोषजनक स्रोत जस्टिस वर्मा नहीं बता सके।

2. **सबूतों से छेड़छाड़ और लापरवाही:** स्टोर रूम को आधिकारिक रूप से सील करने और जांच एजेंसी के पहुंचने से पहले वहां की स्थिति में बदलाव किया गया। जांच में कुछ नोट गायब भी पाए गए। कमेटी ने इसे सबूतों की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही माना।

3. **गुमराह करने वाला स्पष्टीकरण:** कमेटी के अनुसार जज द्वारा दिए गए जवाब टालमटोल वाले और अधूरे थे। 22 मार्च 2025 को दिए पहले जवाब में उन्होंने नकदी की जानकारी से इनकार किया था। बाद में उन्होंने घटना स्थल की जब्ती और गिनती पर सवाल उठाए और कमर्चारियों की भूमिका या साजिश की ओर इशारा किया, लेकिन इसके समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सके।

संसद और सुप्रीम कोर्ट में आगे क्या

कमेटी की रिपोर्ट दो भागों में है, जिसके साथ जांच के दौरान दर्ज साक्ष्य और दस्तावेज भी संलग्न हैं। इसे आगे की संवैधानिक और कानूनी कार्यवाही के लिए संसद के दोनों सदनों में रखा गया है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस वर्मा के खिलाफ FIR और SIT जांच की मांग वाली एक याचिका दायर की गई थी। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने इसे "सस्ती लोकप्रियता" के लिए दायर याचिका बताते हुए खारिज कर दिया।

जस्टिस वर्मा की वर्तमान स्थिति

घटना के समय जस्टिस यशवंत वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट में थे। विवाद के बाद उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया था। अप्रैल 2026 में उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन आधिकारिक रूप से इस्तीफा अभी स्वीकार नहीं हुआ है। संसद में रिपोर्ट पेश होने के बाद अब उन पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

छग स्टेट जूनियर फीडे रेटेड शतरंज स्पर्धा का भिलाई में कल से भव्य आयोजन

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल करेंगे शुभारंभ, राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए होगा चयन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग 14 से 16 अगस्त तक भिलाई के सेक्टर 6 स्थित जैन भवन में छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर / अंडर 17 एवं अंडर 19 फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप का आयोजन कर रहा है। चैम्पियनशिप का शुभारंभ 14 अगस्त को सुबह 10 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेविका डॉ. मानसी गुलाटी करेंगी। विशिष्ट अतिथि दुर्ग-भिलाई के समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा होंगे।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत और सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के 17 जिलों से लगभग 200 शतरंज प्रतिभागी शामिल होंगे। टूर्नामेंट 8 चक्रों में खेला जाएगा।

इस टूर्नामेंट का महत्व अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त होने के कारण और बढ़ गया है। फीडे रेटेड टूर्नामेंट होने से छत्तीसगढ़ के रेटेड खिलाड़ियों को अपनी रेटिंग बढ़ाने और अन्य खिलाड़ियों को रेटिंग शुरू करने का अवसर मिलेगा।

टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ के अंडर 17 और अंडर 19 वर्ग में कुल 86 रेटेड खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अंडर 17: 2 बालक और 2 बालिका, अंडर 19: 4 बालक और 4 बालिका का चयन आगामी राष्ट्रीय जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग: प्रथम 7000 रुपए + ट्रॉफी, द्वितीय 5000 रुपए + ट्रॉफी, तृतीय 3000 रुपए + ट्रॉफी, चतुर्थ 2000 रुपए + ट्रॉफी, पंचम और षष्ठ 1000-1000 रुपए + मोमेंटो। अंडर 17 बालक-बालिका वर्ग: प्रथम 5000 रुपए + ट्रॉफी, द्वितीय 3000 रुपए + ट्रॉफी, तृतीय 2000 रुपए + ट्रॉफी, चतुर्थ 1000 रुपए + ट्रॉफी, पंचम और षष्ठ को मोमेंटो। इसके अलावा अंडर 7, 9, 11 और अंडर 13 के बालक-बालिका वर्ग में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को मोमेंटो दिया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को मेडल और ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। टूर्नामेंट के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन और सहायक निर्णायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे।

11 माह बाद भी अधूरी पड़ी 17 करोड़ की सड़क, जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल

समय-सीमा 29 जुलाई को खत्म, बारिश में कीचड़-गड्ढों से ग्रामीण परेशान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा/थान खम्हरिया

सरकारी विकास योजनाओं में समयबद्धता और गुणवत्ता के दावों की जमीनी हकीकत बेमेतरा जिले के गंडूवा-खैरझिटीकला-नवागांवकला मार्ग पर सामने आ रही है। करीब 17 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 14 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 11 माह बीतने के बाद भी अधूरा पड़ा है। अनुबंध के अनुसार निर्माण की समय-सीमा 29 जुलाई 2026 को समाप्त हो चुकी है, लेकिन मौके पर काम पूरा नहीं हो सका है।

बेमेतरा को दुर्ग राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाला यह मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। इसके बनने से खैरझिटीकला, नवागांवकला, ठरकपुर, कांपा, जेवरा, मटिया, टिपनी, गोपालपुर, खाती, पतोरा और सौरी सहित दो दर्जन से अधिक गांवों को सीधी कनेक्टिविटी मिलने के साथ बेमेतरा से दुर्ग की दूरी कम होने की उम्मीद थी। लेकिन निर्माण की धीमी रफ्तार के कारण ग्रामीणों को अब तक लाभ नहीं मिला।

20 प्रतिशत कम दर पर मिला था ठेका

लोक निर्माण विभाग ने सड़क निर्माण के लिए 17 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे। निविदा प्रक्रिया के बाद दुर्ग की सुराना एंड कंपनी को निर्धारित एसओआर से करीब 20 प्रतिशत कम दर पर कार्य सौंपा गया। अनुबंध में गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में काम पूरा करना था, लेकिन 11 माह में भी निर्माण अधूरा है। ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर मिट्टी भराई अधूरी है। गिट्टी का स्तर मानकों के अनुरूप नहीं है और कई हिस्सों में बेस लेवल का ही काम दिख रहा है। विभाग की ओर से निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी करने की बात सामने आई है, लेकिन काम की गति में सुधार नहीं हुआ।

निर्माण की समय-सीमा खत्म होने के बाद मानसून ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। 14 किलोमीटर लंबे मार्ग पर जगह-जगह मिट्टी, कीचड़ और गड्ढे हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन छात्र, किसान, मजदूर और मरीज आवागमन करते हैं। बारिश में दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों खर्च होने के बाद भी सड़क कई जगह कच्चे रास्ते जैसी है। ग्रामीणों ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि निर्माण एजेंसी ने ग्राम पंचायत नवागांवकला की गौचर भूमि से कथित रूप से मुरूम-मिट्टी का खनन कर उपयोग किया। ग्रामीणों ने खनिज विभाग से मामले की जांच की मांग की है। साथ ही निर्माण एजेंसी द्वारा विभाग के समक्ष संदिग्ध रॉयल्टी बिल प्रस्तुत किए जाने की चर्चा है। ग्रामीणों ने सामग्री और रॉयल्टी दस्तावेजों के सत्यापन की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने समय-समय पर निरीक्षण किया, लेकिन निर्माण एजेंसी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखी। अब विभाग के पास निर्माण एजेंसी को अतिरिक्त समय देने या अनुबंध के अनुसार कार्रवाई का विकल्प है। ग्रामीणों की मांग है कि समय बढ़ाने से पहले निर्माण की गुणवत्ता, सामग्री, सड़क की चौड़ाई, जल निकासी और रॉयल्टी दस्तावेजों की जांच कराई जाए। सड़क निर्माण में देरी को लेकर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि 17 करोड़ की राशि स्वीकृत होने के बाद भी निर्धारित अवधि में काम पूरा नहीं हुआ। बारिश के कारण अब काम और प्रभावित होगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क निर्माण की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच कराई जाए और अनियमितता प्रमाणित होने पर संबंधित निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

छत्तीसगढ़ झीरम घाटी कांड : 31 अगस्त को आएगा फैसला

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

एनआईए की विशेष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा, 13 साल पुराने मामले में 10 आरोपियों का तय होगा भविष्य

छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे चर्चित और वीभत्स घटनाओं में शुमार झीरम घाटी माओवादी हमले के मामले में अब फैसले की घड़ी करीब है। जगदलपुर स्थित ठक्अ की विशेष अदालत ने बुधवार को अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत अब 31 अगस्त को इस बहुचर्चित प्रकरण में अपना निर्णय सुनाएगी।

3 दिन चली अंतिम बहस : मामले में अंतिम बहस सोमवार से शुरू हुई थी। पहले दिन अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य और कानूनी दलीलें रखीं। मंगलवार को बचाव पक्ष ने अपना पक्ष रखा। बुधवार को तीसरे दिन बचाव पक्ष की शेष दलीलें और अभियोजन के जवाबी तर्क सुनने के बाद विशेष अदालत ने प्रकरण को निर्णय के लिए सुरक्षित कर लिया।

क्या था झीरम कांड : 25 मई 2013 को बस्तर में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा झीरम घाटी से गुजर रही थी। घात लगाकर बैठे माओवादियों ने काफिले पर हमला कर दिया था। इस हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, वरिष्ठ नेता विद्याचरण शुक्ल और 'बस्तर टाइगर' के नाम से प्रसिद्ध महेंद्र कर्मा सहित 27 लोगों की मौत हो गई थी। 35 लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया था।

NIA जांच और आरोपियों की स्थिति : मामले की जांच NIA को सौंपी गई। NIA के अनुसार हमले में 27 मौतें और 35 घायल हुए। जांच में 4 लोगों को नामजद और 150-200 अन्य माओवादियों को आरोपी बनाया गया। जांच एजेंसी ने कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी की मृत्यु हो चुकी है। शेष 10 आरोपियों के खिलाफ जगदलपुर की विशेष अदालत में सुनवाई चल रही थी।

करीब 13 वर्षों तक चली सुनवाई के बाद अब 31 अगस्त को अदालत इन आरोपियों के संबंध में फैसला सुनाएगी। झीरम घाटी हमला आज भी छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा की सबसे गंभीर घटनाओं में गिना जाता है। फैसले को लेकर पीड़ित परिवारों, राजनीतिक दलों और प्रदेश की जनता की निगाहें अदालत पर टिकी हैं।

नकली गोल्ड फ्लैक सिगरेट बेचने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, 2.07 लाख का माल जप्त

इंदिरा मार्केट में एसएसडी ट्रेडर्स पर छापा, कॉपीराइट एक्ट के तहत की गई कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने नकली सिगरेट बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इंदिरा मार्केट स्थित SSD TRADERS से ITC Limited के GOLD FLAKE PREMIUM ब्रांड के नाम पर बनाई गई 18,000 नकली सिगरेट जप्त की हैं। जप्त माल की कुल कीमत 2,07,000 बताई जा रही है।

क्या था मामला

11 अगस्त 2026 को ITC Limited के अधिकृत प्रतिनिधि और Private Eye Intellectual Property Right Solutions के फील्ड ऑफिसर ने थाना सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि इंदिरा मार्केट स्थित SSD TRADERS में GOLD FLAKE PREMIUM के नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने तत्काल छापा मारकर जांच की। प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 440/2026 BNS की धारा 318(4) और कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 के तहत मामला दर्ज किया गया।

ऐसे करते थे नकली माल की बिक्री

पुलिस के अनुसार आरोपी निजी आर्थिक लाभ के लिए ITC के असली GOLD FLAKE PREMIUM ब्रांड की तरह दिखने वाली पैकिंग और नाम वाले नकली सिगरेट बेच रहे थे। इससे ग्राहकों में भ्रम की स्थिति बन रही थी और कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा था। छापे में पुलिस ने मौके से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी : विशाल जसवानी, उम्र 36 वर्ष, निवासी गुरूनानक नगर, सत्यम बेकरी गली, मकान नं. 319, दुर्ग, निखिल सिहानी, उम्र 29 वर्ष, निवासी सदानी नगर, सिंधी कॉलोनी, दुर्ग, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि यदि कहीं भी किसी ब्रांड के नकली या संदिग्ध उत्पादों की बिक्री या भंडारण की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उपभोक्ताओं से भी अपील है कि उत्पाद खरीदते समय पैकेजिंग और प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें।

जप्त सामग्री :

1. GOLD FLAKE PREMIUM नाम के 24 बंडल - 12,000 सिगरेट, कीमत 1,38,000
2. GOLD FLAKE PREMIUM नाम के 12 बंडल - 6,000 सिगरेट, कीमत 69,000

प्रत्येक पैकेट पर MRP 115 और दफनंबर 8901725176518 अंकित था।

कुल: 18,000 सिगरेट, कीमत 2,07,000

राजनांदगांव में फिर ईडी की कार्रवाई, नाहटा और भंसाली के ठिकानों पर जांच

राजनांदगांव। शहर में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय ईडी की कार्रवाई से हलचल मच गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ईडी की टीम सत्यम विहार कॉलोनी स्थित नाहटा के ठिकाने और कामठी लाइन स्थित भंसाली के ठिकाने पर पहुंची है।

सूत्रों के अनुसार टीम द्वारा दोनों ठिकानों पर दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। कार्रवाई किस प्रकरण या जांच से जुड़ी है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। खास बात यह है कि नाहटा और भंसाली दोनों के ठिकानों पर अक्टूबर 2025 में भी ईडी की कार्रवाई हुई थी। अब करीब 9 महीने बाद दोबारा छापे की खबर सामने आने के बाद शहर के कारोबारी और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। ईडी की टीम जांच के दौरान मिले दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड का परीक्षण कर रही है।

अनियमितता पर दुर्ग में कृषि केन्द्र का लाइसेंस निरस्त और 825 बोरी उर्वरक किया राजसात

किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद उपलब्ध कराने कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

खरीफ सीजन 2026 में किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। अनियमितता पाए जाने पर मैसर्स विद्या कृषि केन्द्र बोरी का लाइसेंस निरस्त कर 825 बोरी उर्वरक राजसात कर दिया गया है।

क्या मिली अनियमितताएं

उर्वरक निरीक्षक और जिला स्तरीय दल ने 13 जून 2026 और 16 जून 2026 को कृषि केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। जांच में कई अनियमितताएं मिलीं। उर्वरकों के दर और पॉस के अनुसार स्टॉक का सही उल्लेख न होना, कैश/क्रेडिट मेमो जारी न करना, बिना

अनुज्ञप्ति में प्रविष्ट उर्वरक का भंडारण, जांच में सहयोग न करना, भौतिक स्टॉक और पॉस स्टॉक में अंतर तथा जांच दल की कार्रवाई में बाधा पहुंचाना। इसके बाद विक्रय केन्द्र को कारण बताओ नोटिस जारी कर जप्ती की कार्रवाई की गई।

लाइसेंस निरस्त और राजसात

प्रतिष्ठान द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के बाद पाया गया कि निरीक्षण तिथि में नियम विरुद्ध उर्वरकों का भंडारण और विक्रय किया जा रहा था। यह उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985, उर्वरक संचलन नियंत्रण आदेश 1973 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 का स्पष्ट उल्लंघन है। आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6(ए)(1) के तहत रासायनिक खाद 514 बोरी, जैविक खाद 311 बोरी और जैव उत्प्रेरक 1.8 कि.ग्रा. जब्त कर राजसात कर दिया गया। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठान के उर्वरक प्राधिकार पत्र यानी लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया।

कृषि विभाग की चेतावनी

कृषि विभाग के उप संचालक संदीप भोई ने बताया कि किसानों को खाद-कीटनाशक की किल्लत पैदा करने, कालाबाजारी करने या बिना वैध दस्तावेजों के अमानक उर्वरक-कीटनाशक बेचने वाले कृषि केन्द्रों पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने सभी उर्वरक और कीटनाशक विक्रेताओं तथा समितियों को निर्देशित किया है कि किसानों को निर्धारित दर पर ही कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराएं। अधिक मूल्य वसूली पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी। विभाग द्वारा खरीफ सीजन में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। किसानों से अपील की गई है कि कृषि आदान वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर इसकी शिकायत नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय में करें।

खास खबर

कुरूद गोठान में नगर निगम और जनकल्याण सेवा समिति का विशेष पौधारोपण

आयुक्त सुरुचि सिंह ने कहा - पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास जरूरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई और जनकल्याण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में कुरूद गोठान में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने गोठान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए।

हरियाली और संरक्षण पर जोर

पौधारोपण के दौरान आयुक्त सुरुचि सिंह ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में समाजसेवी नीतू पांडेय, पार्षद प्रतिनिधि अजय साहू, दामिनी साहू, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, श्वेता वर्मा, शंकर सुवन मरकाम, गोसेवक दीपक यादव सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और जनकल्याण सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा धाम यात्रा पर गए दुर्ग के एक कांवड़िए की रास्ते में मौत, मोहल्ले में शोक

दुर्ग। पवित्र सावन माह में झारखंड के वैद्यनाथ धाम ज्योतिर्लिंग में गंगाजल चढ़ाने के लिए दुर्ग से बाबा धाम यात्रा पर निकले कांवड़ियों की टोली में शामिल गया नगर वार्ड क्रमांक 4 के निवासी 31 वर्षीय मणी चंद्राकर की कांवड़ यात्रा मार्ग में अचानक तबीयत बिगड़ने से मृत्यु हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवारजनों, परिचितों और मोहल्लेवासियों में शोक की लहर व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार मणी चंद्राकर रविवार को दुर्ग से करीब 35 कांवड़ियों की टोली के साथ बाबा धाम के लिए रवाना हुए थे। यह टोली भाजपा नेता अमित पटेल के नेतृत्व में यात्रा पर निकली थी। एक हजार किलोमीटर से अधिक का सफर तय करने के बाद कांवड़िए बिहार के सुल्तानगंज पहुंचे, जहां गंगा नदी में स्नान कर 10 अगस्त की शाम कांधे पर कांवड़ लेकर पैदल देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुए। 11 अगस्त को सुल्तानगंज से करीब 27 किलोमीटर दूर मनिया मोड़ के पास पैदल यात्रा के दौरान मणी चंद्राकर के सीने में अचानक तेज दर्द हुआ। तबीयत बिगड़ने पर वे रास्ते में स्थित एक कैंप में रुक गए। साथी कांवड़ यात्रियों ने तत्काल उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी सांसें उखड़ गईं और उनका निधन हो गया।

बताया जा रहा है कि मणी चंद्राकर की मृत्यु हृदयाघात के चलते हुई है। उनके अचानक निधन से साथ गए कांवड़िए भी स्तब्ध हैं। घटना के बाद पूरी टोली ने बाबा धाम की यात्रा बीच में स्थगित कर दुर्ग लौटने का निर्णय लिया। मृतक मणी चंद्राकर का पार्थिव शरीर एंबुलेंस के माध्यम से दुर्ग लाया जा रहा है। गुरुवार सुबह हरनाबांधा मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके निधन पर शिवनाथ बोलबम कांवरिया समिति दुर्ग के संयोजक व निगम के पूर्व सभापति दिनेश देवांगन सहित समिति के सदस्यों ने मणी चंद्राकर के असामयिक निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त किया है।

मंत्री यादव बोले - तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक

दुर्ग में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, उमड़ा राष्ट्रभक्ति का जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए और राष्ट्रभक्ति के इस उत्सव में सहभागी बने।

देशभक्ति के नारों से गूंजा माहौल

तिरंगा यात्रा में हाथों में लहराते तिरंगे और "भारत माता की जय", "विजयी विश्व तिरंगा प्यारा", "झंडा ऊंचा रहे हमारा" जैसे नारों से पूरा मार्ग गूंजता रहा। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा और नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति का वातावरण बना रहा।

तिरंगा गौरव और बलिदान का प्रतीक

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है, बल्कि भारत की गौरवशाली विरासत, बलिदान, एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। आज हमारा दायित्व है कि हम उनके बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमें तिरंगे की आन-बान-शान को सर्वोच्च रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य केवल राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और देशसेवा की भावना को मजबूत करना है। आज युवाओं में जिस तरह राष्ट्रभक्ति का उत्साह देखने को मिला, वह विकसित और सशक्त भारत के निर्माण की मजबूत नींव है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान दें और "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के संकल्प को साकार करने में सहभागी बनें।

बोरी क्षेत्र में स्कूलों के पास तंबाकू बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई

15 दुकानदारों पर चालान, 2150 रुपये जुर्माना वसूला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-बोरी

स्कूल परिसरों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने बोरी थाना क्षेत्र में कोटपा अधिनियम 2003 के तहत बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर 11 अगस्त 2026 को की गई इस कार्रवाई में शासकीय हिंदी मीडियम पीएम श्री स्कूल बोरी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पथरिया तथा शासकीय हाई स्कूल अंजोरा ढाबा तहसील धमधा के आसपास तंबाकू बेचने वाले दुकानदारों की जांच की गई।

15 दुकानदारों पर चालान

टीम ने कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 और 6 के उल्लंघन पर कुल 15 दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की। इस दौरान 2,150 रुपये का अर्थदंड भी वसूला गया।

दी गई चेतावनी और जागरूकता

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद न बेचने और सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन पर प्रतिबंध की जानकारी दी। साथ ही तंबाकू सेवन से होने वाले जानलेवा स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए तंबाकू-मुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील की।

इस कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन से सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झड़ेकार, औषधि निरीक्षक जागेश्वरी साहू तथा पुलिस विभाग से आरक्षक मोहम्मद समीम, जितेंद्र धीवर और प्रशांत साहू उपस्थित थे।

जल रक्षा भिलाई के तहत वैज्ञानिक जल संरक्षण की पहल शुरू

2027-28 के मानसून से पहले बनेंगी जल संरक्षण और पुनर्भरण संरचनाएं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर में वैज्ञानिक जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए नगर पालिक निगम भिलाई, IIT भिलाई एवं केंद्रीय भूजल बोर्ड CGWB के संयुक्त सहयोग से जल रक्षा भिलाई एकीकृत जल संरक्षण एवं प्रबंधन पहल शुरू की गई है। इस संबंध में प्रथम समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में इन मुद्दों पर हुई चर्चा

बैठक में भिलाई की प्रमुख जल संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें ग्रीष्म ऋतु में जल की कम उपलब्धता, वर्षा ऋतु में जलभराव, पेयजल में सीवेज के पानी का मिश्रण और जल के पुनः उपयोग की कम

दर शामिल हैं। बोरवेल रिचार्ज शाफ्ट के तत्काल निर्माण और संबंधित प्राक्कलनों के आदान-प्रदान के बाद आवश्यक स्वीकृति की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने पर जोर दिया गया।

क्या होगी कार्ययोजना

परियोजना के तहत GIS और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भिलाई के प्राकृतिक जल निकासी तंत्र की पहचान की जाएगी। जलभराव की रोकथाम के लिए कम लागत वाले वैज्ञानिक समाधान, सीवेज एवं जलापूर्ति लाइनों का अध्ययन और समस्या-ग्रस्त क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। इसके साथ ही ऋक्ष आधारित भूजल मानचित्रण कर अधिकतम भूजल पुनर्भरण क्षमता वाले क्षेत्रों में कम लागत की संरचनाएं बनाने के उपाय सुझाए जाएंगे।

बैठक में सतही जल पर निर्भरता बढ़ाने, रासायनिक प्रदूषण से प्रभावित क्षेत्रों की पहचान एवं वैज्ञानिक उपचार, मौजूदा रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं में सुधार, प्रशिक्षण एवं हैंड-होल्डिंग सहायता तथा परियोजना से संबंधित दस्तावेजीकरण पर भी चर्चा हुई।

2027-28 से पहले लक्ष्य

जल रक्षा भिलाई के अंतर्गत तैयार की जाने वाली कार्ययोजना को समयबद्ध रूप से लागू करने पर बल दिया गया। लक्ष्य रखा गया है कि आवश्यक जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण वर्ष 2027-28 के मानसून से पहले पूर्ण कर लिया जाए। इसके लिए उद्यफतैयार करने, स्वीकृति और निर्माण कार्य की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाएगी।

इस पहल का ध्येय वाक्य है: जल रक्षा भिलाई — सतत भविष्य के लिए विज्ञान-आधारित जल सुरक्षा। नगर पालिक निगम भिलाई, IIT भिलाई एवं CGWB के समन्वित प्रयास से यह पहल भिलाई में दीर्घकालिक जल सुरक्षा, बेहतर जल प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले भिलाई नगर निगम ने तेज की सफाई

महापुरुषों की प्रतिमाओं की हो रही विशेष धुलाई और सजावट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम का उद्देश्य शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाकर 15 अगस्त का पर्व गरिमामय तरीके से मनाना है।

निगम द्वारा शहर में स्थापित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई एवं धुलाई कराई जा रही है। प्रतिमाओं के आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि स्वतंत्रता दिवस पर वे स्वच्छ और आकर्षक दिखाई दें।

प्रमुख स्थानों पर विशेष अभियान

इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई कराई जा रही है। निगम के सफाई कर्मचारियों द्वारा सड़कों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों से कचरा हटाकर साफ-सफाई की जा रही है।

निगम प्रशासन द्वारा शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। अधिकारियों ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों को सफाई कार्य समय पर पूर्ण करने और प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। निगम का लक्ष्य है कि 15 अगस्त के अवसर पर नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो।

भिलाई निगम ने 7 वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या भेजा धाम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हरेली त्यौहार के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई ने क्षेत्र के 50 वर्ष से अधिक आयु के 7 वरिष्ठ नागरिकों को श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना किया। निगम मुख्य कार्यालय परिसर से तीर्थयात्रियों को तिलक लगाकर सम्मान के साथ विदा किया गया। इसके बाद निगम के वाहन से सभी श्रद्धालुओं को दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचाया गया, जहां से वे अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए।

ये तीर्थयात्री हुए शामिल

अयोध्या धाम जाने वाले सात तीर्थयात्रियों में अलका ताम्रकार, बेन कुमार, मंतराम यादव, धनेन्द्र कुमार साहू, लक्ष्मी साहू, गणेश सोनी एवं प्रीति लता सोनी शामिल हैं। विदाई के समय वरिष्ठ नागरिकों में भगवान रामलला के दर्शन को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल रहा। निगम परिसर में श्रद्धालुओं के माथे पर तिलक लगाकर आरती की गई और उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की गई।

निगम द्वारा सभी तीर्थयात्रियों को आवश्यक सहयोग प्रदान कर सुरक्षित रूप से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया गया। हरेली पर्व पर आयोजित यह तीर्थयात्रा वरिष्ठ नागरिकों के लिए धार्मिक आस्था से जुड़ा विशेष अवसर रहा। तीर्थयात्रियों ने अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन की प्रसन्नता व्यक्त की।

आजादी की धुन स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का सुनहरा अवसर : मुख्यमंत्री साय

'आजादी की धुन' में इतिहास का गौरव, वर्तमान का कर्तव्य और भविष्य का संकल्प, मुख्यमंत्री साय संस्कृति विभाग में आयोजित आजादी की धुन समारोह में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर की शाम आज देशभक्ति के सुरों से गूंज उठी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित आजादी की धुन समारोह में प्रदेश के अलग-अलग अंचलों से आए 100 युवा कलाकारों ने विभिन्न वाद्ययंत्रों के साथ एक साथ लाइव बैंड प्रस्तुति देकर देशभक्ति का अनुपम वातावरण निर्मित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय समारोह में शामिल हुए और युवा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देशभक्ति के गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रप्रेम के भाव से सराबोर कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित आजादी की धुन देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को स्मरण करने का सुनहरा अवसर है। 'आजादी की धुन हमें इतिहास के गौरव का स्मरण, वर्तमान के कर्तव्यों का बोध और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प दिलाती है। छत्तीसगढ़ में पहली बार 100 युवा कलाकारों द्वारा एक साथ अलग-अलग वाद्ययंत्रों पर देशभक्ति की धुनों की प्रस्तुति अपने आप में अनूठा प्रयास है। उन्होंने इस अभिनव आयोजन के लिए संस्कृति विभाग और सभी कलाकारों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगीत में भावनाओं को जागृत करने और लोगों को एक सूत्र में जोड़ने की अद्भुत शक्ति होती है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी गीतों, कविताओं और नारों ने देशवासियों के भीतर स्वाधीनता की चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देशभक्ति के गीतों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में हमारे क्रांतिकारियों और सेनानियों का मनोबल बढ़ाया तथा करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता के लक्ष्य के लिए एकजुट किया। आज भी जब देशभक्ति की धुनें सुनाई देती हैं, तो मन में राष्ट्र के प्रति गर्व और समर्पण का भाव स्वतः जागृत हो उठता है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमारे लिए केवल अधिकारों का उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों को निभाने का संकल्प भी है। हमें यह सदैव स्मरण रखना चाहिए कि करोड़ों देशवासियों के संघर्ष से प्राप्त इस बहुमूल्य आजादी की रक्षा करना, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाना और राष्ट्र को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे ले जाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के गौरवशाली योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की धरती ने भी अनेक वीर सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने अन्याय और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए ब्रिटिश शासन को चुनौती दी और मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। बस्तर के जननायक वीर गुण्डाधुर ने भूमकाल आंदोलन का नेतृत्व कर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आदिवासी समाज की आवाज बुलंद की। ऐसे महान सेनानियों का शौर्य और बलिदान छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित भारत के निर्माण में विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि विकास की रोशनी प्रदेश के प्रत्येक गांव, प्रत्येक परिवार और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे तथा छत्तीसगढ़ अपनी सामर्थ्य और संभावनाओं के अनुरूप देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, स्काउट-गाइड के चेयरमैन इंद्रजीत सिंह खालसा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, कलाकार और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

खास खबर

बारसूर पहुची बाइक तिरंगा यात्रा : शहीदों को श्रद्धांजलि, पौधारोपण और हर घर तिरंगा अभियान का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर तिरंगा यात्रा के तहत नारायणपुर से शुरू हुई बाइक तिरंगा यात्रा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में बारसूर पहुंची। बारसूर में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। पूरे क्षेत्र में भारत माता के जयकारों और देशभक्ति के नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से भर गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप ने हाथों में तिरंगा लेकर बाइक यात्रा में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके सम्मान में पौधारोपण किया और शहीद परिवारों से मुलाकात की।

राष्ट्रीय एकता और विकास का संदेश : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर तिरंगा यात्रा पूरे बस्तर के विकास, शांति और राष्ट्रीय एकता की यात्रा है। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवाओं ने इस अभियान की अगुवाई की है और सभी नागरिकों को इसमें सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रत्येक परिवार अपने घर पर तिरंगा अवश्य फहराए। उन्होंने बताया कि पहले कई गांवों में नक्सलवाद के डर से राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराने में बाधाएं आती थीं, लेकिन आज लोग गर्व के साथ अपने घरों में तिरंगा लगा रहे हैं। उन्होंने इसे बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास की दिशा में बड़ा परिवर्तन बताया।

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक सफलता : वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता मिली है। सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के साहस और बस्तर के लोगों के सहयोग से क्षेत्र में विकास और विश्वास का नया वातावरण बना है।

तीन दिनों में कई जिलों से गुजरेगी तिरंगा यात्रा: बाइक तिरंगा यात्रा 12 अगस्त को नारायणपुर से शुरू होकर धौड़ाई, कन्हारगांव, कोडेनार, बोदली, सातधार, बारसूर और गीदम होते हुए दंतेवाड़ा पहुंची। 13 अगस्त को यात्रा दंतेवाड़ा से कुआकोंडा, सुकमा, जगरगुंडा, सिलगेर, टेकलगुड़ेम और आवापल्ली होते हुए बीजापुर पहुंची और 14 अगस्त को यात्रा बीजापुर से आवापल्ली, उसूर, गलगम, नंबी और ताड़पाला होते हुए करेगुट्टा पहाड़ी में समाप्त होगी।

इस अवसर पर विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, बस्तर आईजी बद्रीनाथ मीणा, डीआईजी कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ एम. भार्गव, डीएफओ रामकृष्ण रंगनाथा वाय, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, अन्य अधिकारी, सुरक्षा बलों के जवान और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हरेली तिहार पर मुख्यमंत्री निवास में साकार हुई छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी

मुख्यमंत्री साय ने कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और भरपूर फसल की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सोंधी महक, खेत-खलिहानों की परंपराएं, लोकगीतों की स्वर लहरियां, मांदर की थाप, गेड़ी का उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू - प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि और सभी परिवारों की सुख-खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर किसान भाई-बहनों को हरेली तिहार की गाड़ा-गाड़ा बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन के बीच आत्मीय रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी धरती, पशुधन, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और प्रदेश की बड़ी आबादी की आजीविका खेती-किसानी से जुड़ी है। किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मजबूत आधार है।

पारंपरिक वेशभूषा में पिंक ऑटो से पहुंचे मुख्यमंत्री: हरेली के उत्सव में मुख्यमंत्री श्री साय पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगे नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ महिला ऑटो चालक श्रीमती संगीता यादव के पिंक ऑटो में मुख्यमंत्री निवास परिसर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस अनूठे अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव के माहौल में आत्मीयता का रंग घोल दिया। कार्यक्रम की शुरुआत गौरी-गणेश एवं नवग्रह पूजन के साथ हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का अभिषेक किया और नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली के समय तक खेती के अनेक प्रमुख कार्य पूरे हो चुके होते हैं और किसान प्रकृति एवं अपने कृषि साधनों की पूजा कर अच्छे कृषि वर्ष की कामना करते हैं। यह परंपरा हमारे पुरखों की प्रकृति के प्रति गहरी समझ और सम्मान को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में निर्मित गौशाला पहुंचकर गौमाता की आरती और पूजा-अर्चना की। उन्होंने गाय और बछड़े को हरा चारा, चना-गुड़ तथा पारंपरिक लोंदी खिलाई। हरेली पर पशुधन को लोंदी खिलाने की लोक परंपरा पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और रोगों से बचाव की कामना से जुड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन में पशुधन परिवार और कृषि व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। हमारी लोक संस्कृति हमें पशुओं के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और संरक्षण की सीख देती है। आधुनिकता के साथ अपनी ऐसी उपयोगी और प्रकृति-सम्मत परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

पारिजात का पौधा लगाकर दिया हरियाली बढ़ाने का संदेश: हरेली के प्रकृति संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में पारिजात का पौधा लगाया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी पारिजात का पौधा रोपा। मंत्रीगण तथा विभिन्न निगम-मंडल और आयोगों के पदाधिकारियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली हमें प्रकृति से केवल लेने की नहीं, उसे सहेजने और लौटाने की भी सीख देती है। पौधरोपण के साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर और उन्हें वृक्ष बनने तक सहेजकर आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और सुरक्षित भविष्य तैयार किया जा सकता है।

किसान की खुशहाली से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि परंपरा, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा महत्वपूर्ण लोक पर्व है। कृषि औजारों, गौमाता और प्रकृति की पूजा हमारी कृतज्ञता की संस्कृति को अभिव्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर काम किया जा रहा है। किसानों को 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य मिल रहा है और महतारी वंदन योजना से माताओं-बहनों को आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। किसान का घर खुशहाल और गांव मजबूत होगा, तभी छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग और प्रशस्त होगा।

किसान समृद्ध होगा तो प्रदेश और देश समृद्ध होंगे : कृषि मंत्री : कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की खेती-किसानी, हरियाली और प्रकृति के प्रति आस्था का महापर्व है। हमारी संस्कृति प्रकृति के संरक्षण, पशुधन के सम्मान और अन्नदाता के श्रम के प्रति आदर का संदेश देती है। हरेली अपनी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और खेती को अधिक समृद्ध बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। किसान समृद्ध होगा तो प्रदेश और देश दोनों समृद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की लोक अस्मिता और हमारी जड़ों का उत्सव है। आधुनिक विकास की तेज यात्रा के बीच अपनी संस्कृति, परंपरागत ज्ञान, ग्रामीण खेल, लोककला और खानपान को सहेजकर रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बाबा भोलेनाथ, गौमाता और प्रकृति से प्रदेश पर कृपा बनाए रखने की प्रार्थना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के खेत लहलहाएं, किसानों के घर खुशहाली आए और प्रदेश निरंतर समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।

कुरूद में 14 अगस्त को निकलेगी भव्य 'तिरंगा यात्रा'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कुरूद में भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक भानु प्रताप सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, भिलाई ने बताया कि यह यात्रा देश की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश देने के उद्देश्य से निकाली जाएगी।

यात्रा का विवरण इस प्रकार है कि 14 अगस्त 2026 शाम 3:00 बजे प्रारंभः कुरूद बाजार वार्ड नंबर 22, ढांचा भवन, सार्इ मंदिर, फेस-2, फेस-1 और समापनः भगवा चौक से होगा। यात्रा के दौरान हजारों नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारों के साथ शामिल होंगे। आयोजकों ने कुरूद के समस्त प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और राष्ट्रभक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस राष्ट्रीय पर्व को ऐतिहासिक बनाएं। आयोजकों का कहना है कि आपकी गरिमामयी उपस्थिति तिरंगा यात्रा की शोभा बढ़ाएगी।

राष्ट्रपति भवन में गूंजेगी छत्तीसगढ राज्य के धमतरी जिले के नगरी की मांदर की थाप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी लोककला, संस्कृति और परंपराओं के लिए यह गौरव का क्षण है। छत्तीसगढ के जिले के नगरी विकासखंड की पारंपरिक लोककला की अनूठी छटा देखने को मिलेगी। ग्राम सरईटोला (गुडरापार) का सुप्रसिद्ध ह्रजय गढ़िया बाबा आदिवासी लोक मांदरी नृत्य दल राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक गुट्टा मांदर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति देगा।

लोक परंपराओं की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा : यह अवसर न केवल छत्तीसगढ सहित धमतरी जिले के लिए गौरव का विषय है। देश के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंच पर जिले के ग्रामीण अंचल के कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलना प्रदेश की लोक परंपराओं की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा।

पारंपरिक कला और संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन: सरईटोला का यह लोक नृत्य दल अपनी विशिष्ट गढ़वा नृत्य शैली, गुट्टा मांदर की ऊर्जावान प्रस्तुति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों के लिए जाना जाता है। दल के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज के लोकजीवन, परंपराओं, उत्सवों और सामुदायिक संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करते हैं। मांदर की थाप, पारंपरिक गीत और सामूहिक नृत्य की लय इस कला को विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

लोकजीवन, सामुदायिक एकता और परंपराओं का संवाहक : नृत्य की एक विशेष पहचान कलाकारों की रंग-बिरंगी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा भी है। पारंपरिक परिधान, आभूषण और साज-सज्जा नृत्य की सांस्कृतिक गरिमा को और बढ़ाते हैं। यह लोकनृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोकजीवन, सामुदायिक एकता और परंपराओं का संवाहक है। फसल कटाई, उत्सवों, मेलों तथा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक अवसरों पर इसका विशेष आयोजन किया जाता है। नागपुर सांस्कृतिक भवन द्वारा विशेष चयन। दल के सचिव श्री रूपराय नेताम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि सांस्कृतिक भवन, नागपुर द्वारा दल की उत्कृष्ट प्रस्तुति और पारंपरिक कला की विशिष्टता को देखते हुए राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान में छत्तीसगढ़ की लोककला प्रस्तुत करना दल के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण अनुभव है। कलाकार इस अवसर के लिए विशेष रूप से उत्साहित हैं और अपनी श्रेष्ठ प्रस्तुति देने की तैयारी कर रहे हैं।

संपादकीय

देशभक्ति की भावना पैदा करना तो अच्छी बात

जिस देश में हम रहते हैं, उस देश के प्रति भक्ति की भावना तो हर नागरिक में होनी चाहिए। देश का नागरिक होने के नाते तो हर आदमी के भीतर देशभक्ति की भावना होनी चाहिए। हम आजाद देश में रहते हैं,यह आजादी हमें देशभक्तों ने दिलाई है। इसलिए हर राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त व 26 जनवरी को लोगों में देशभक्ति की भावना पैदा करने वाले,देशभक्ति की भावना को मजबूत करने वाले कार्यक्रम हर राज्य में राज्य सरकार तो करती है, गैर सरकारी संगठन व संस्थाएं भी करती है ताकि लोगों को पता रहे कि देश को आजादी यूं ही नहीं मिल गई है, लाखों लोगों के बलिदान से मिली है और देश के लिए बलिदान वही लोग कर सकते हैं जिनके मन में देशभक्ति की भावना होती है यानी देश के लिए कुछ करने का जज्बा होता है। देशभक्त लोग देश में जितने ज्यादा होते है, उससे देश उतना मजबूत होता है। देश मजबूत रहे और मजबूत हो इसलिए देशभक्ति की भावना को जब भी बढ़ावा कोई भी देता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। उससे प्रेरणा लेनी चाहिए और हर किसी को देशभक्ति बढ़ाने वाला कार्यक्रम करना चाहिए या ऐसे कार्यक्रम में उत्साह से शामिल होना चाहिए।

देश का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है,भाजपा ने हर साल की तरह स्वंतत्रता दिवस के पहले 10 से 17 अगस्त तक तिरंगा यात्रा पूरे देश में निकालने का फैसला किया और निकाला तो यह तो अच्छी बात है। इसका तो स्वागत किया जाना चाहिए कि भाजपा देश के लोगों में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोगों में देश की आजादी के प्रतीक तिरंगा यात्रा निकाल रही है, लोगों में देशभक्ति की भावना पैदा कर रही है, उसे मजबूत कर रही है।इस मौके पर तो किसी संगठन को कहने की जरूरत नहीं होती कि उसे क्या करना चाहिए। सभी सरकारी व गैरसरकारी संगठन ऐसे मौको पर कई तरह का आयोजन करते हैं,देश की आजादी के लिए बलिदान करने वालों को याद करते हैं। उनके बलिदान को नमन करते हैं क्योंकि आज हम आजाद भारत में है तो देशभक्ति की भावना से भरे हुए लाखों लोगों के बलिदान के कारण है। इसका तो किसी तरह से किसी को विरोध नहीं करना चाहिए।ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दौरान तो राजनीति बिलकुल नहीं होना चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भूलकर राष्ट्रीय पर्व को मिलजुलकर मनाना चाहिए। यह मौका नहीं होता है किसी को कहने का कि आप तिरंगा यात्रा निकाल सकते, आप तिरंगा यात्रा निकालने योग्य नहीं है।

राजधानी में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ इंडोर स्टेडियम से हुआ और इसमें सभी वर्ग के लोगों ने उत्साह से हिस्सा लिया। इस यात्रा के दौरान हाथों में लहराते तिरंगे,भारत माता के जयघोष,देशभक्ति के गीतों से हजारों लोगों में अजब उत्साह रहा और इसे देखने वालों को लोगों को यह यात्रा अच्छी लगी और उनमें देशप्रेम की भावना पैदा हुई। ऐसे आयोजनों का मकसद ही देश के लोगों में देशप्रेम की भावना जगाना होता है,उनको एहसास दिलाना होता है कि देश तुम्हारे लिए क्या कुछ नहीं करता है, तुमको ऐसे देश से प्रेम करना चाहिए. उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना चाहिए।इस मौके पर सीएम साय ने यह कहकर कि तिरंगा हमारी आन,बान और शान है,यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है,बल्कि भारत की एकता,अखंडता स्वाभिमान व असंख्य बलिदानों का प्रतीक है।देश मे देश के लोगों को बांधने की अद्भुत शक्ति है।अलग अलग भाषाओं संस्कृतियों,पंरपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बाद भी तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के साझा गौरव से जोड़ता है।तिरंगा लहराता है तो हर भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से देश के प्रति गौरव व सम्मान का भाव जागृत करता है,तिरंगा झंडे का सम्मान किया है।सीएम साय ने सच कहा है कि तिरंगा हमें भारतीय होने का एहसास दिलाता है और एकजुट करता है।

15 अगस्त के पहले के कुछ दिन कम से कम राजनीतिक दलों को राजनीति नहीं करनी चाहिए, कोई राजनीतिक बयान नहीं देना चाहिए लेकिन अफसोस ऐसा होता नहीं है,कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को यह बयान देने की जरूरत नहीं थी कि भाजपा तिरंगा यात्रा निकाल रही है, वह लोग तिरंगा यात्रा निकाल रहे है जो तिरंगे के तीन रंगों को अपशगुन बताते थे,जो साल आजादी के बाद 52 सालों तक अपने मुख्यालय में तिरंगा नहीं फहराते थे,जो लोग आजादी की लड़ाई के समय अंग्रेजों की दलाली कर रहे थे,जो लोग अंग्रेजों से वजीफे लेते थे।कांग्रेस भूल रही है कि इस देश में तिरंगा यात्रा निकालने का अधिकार आज सबको है। वह किसी को नहीं रोक सकती वह सिर्फ आलोचना कर सकती है, इससे उसका कद ऊंचा नहीं होता है, इससे तो उसका कद और कम होता है कि वह खुद को तिरंगा यात्रा नहीं निकाल रही है और भाजपा निकाल रही है उसकी आलोचना कर रही है।

कांग्रेस भूल रही है कि जो सत्ता में होता है उसे 15 अगस्त पर कई तरह के कार्यक्रमो का आयोजन पूरे देश और पूरे राज्य में करना होता है। कांग्रेस सत्ता में रहती तो यह उसका काम होता,कांग्रेस को जनता ने इस काम के लायक नहीं समझा तो कांग्रेस को न तो निराश होना चाहिए और न ही खीझना चाहिए कि यह काम भाजपा क्यों कर रही है, लोकतंत्र में जनता सवीपरि है,उसके आदेश का सम्मान करना चाहिए।संविधान में नहीं लिखा है कि देश में तिरंगा फहराने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस को है, कांग्रेस के अलावा किसी को तिरंगा फहराने का अधिकार नहीं है।यह कांग्रेस की गलतफहमी है और कांग्रेस को अपनी यह गलतफहमी दूर कर लेनी चाहिए साथ ही कांग्रेस को यह गलतफहमी भी दूर करे लेनी चाहिए कि उसके पास देशभक्ति का प्रमाणपत्र देने का अधिकार है जिसे वह कहेगी वही देशभक्त होना और जिसे वह देशभक्त नहीं कहेगी वह देशभक्त नहीं होगा ।

छत्तीसगढ़ का लोक-पर्व : हरेली तिहार

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक-त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव-जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है – हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या, हरियाली अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण-प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं।

छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहाँ लोक जीवन में हंसी-खुशी के अवसर उपलब्ध कराते हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकृति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी तरह समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी, सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप-सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है।

शायद ‘हरेली’ का हरापन हमारी परंपराओं, हमारे संस्कारों और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे, यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहें ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी-सोंधी महक हमारे लोक गीतों से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

हरेली शब्द का अर्थ और महत्व

'हरेली' शब्द 'हरियाली' से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ खेतों और मैदानों में हरी-भरी फसलें लहलहाने लगती हैं, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक-पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा

हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है:

कृषि यंत्रों की पूजा: हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हैं। यह एक उत्सव होने के साथ-साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है। किसान अपने हल, फावड़ा, कुदाल, बसुला, हथौड़ी, आरी, खुर्पी आदि औजारों को धोकर स्वच्छ मिट्टी का आसन सजाते हैं। धुले हुए चावल-आटे से हाथा लगाकर चंदन, फूल, धूप-दीप और चीला रोटी का भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं। प्रार्थना करते हैं – ‘हे बलराम रूपी हल, आपने हमारी सेवा में कष्ट उठाया, अब विश्राम करें।’ इसके बाद गेड़ी की पूजा कर पैरों की रक्षा की कामना की जाती है।

पशुधन का सत्कार: खेती-किसानी के सच्चे साथी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला-धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा 'गहूंता' खिलाया जाता है। जड़ी-बूटियों से तैयार औषधि को अरण्ड और खम्हार के पत्तों में नमक और अनाज के साथ मिलाकर पशुओं को खिलाया जाता है। यह पारंपरिक टीकाकरण पशुओं को रोगों से बचाता है।

परंपराएं और रीति-रिवाज

गेड़ी चढ़ने का आनंद: बांस के डंडों से बनी गेड़ी पर चलना हरेली की प्रमुख पहचान है। बारिश के मौसम में कीचड़ में चलने के साधन के रूप में शुरू हुई यह परंपरा आज प्रतियोगिता का रूप ले चुकी है। गेड़ी दौड़, पानी पिलाना, एक पैर पर कूदना जैसे खेलों का आयोजन होता है।

विभिन्न प्रतियोगिताएं: गाँव-गाँव में नारियल फेंक प्रतियोगिता, खो-खो, फुगड़ी, बिल्लस, अत्ती-पत्ती और डंडा पचरंगा जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन होता है। गौठान, स्कूल का मैदान और चौक-चौराहे रंग-बिरंगे परिधानों से सज जाते हैं।

टोटका और सुरक्षा: मान्यता है कि इस दिन घर के दरवाजों पर नीम की पत्तियाँ और लोहे की कीलें लगाने से बुरी नजर और रोगों से रक्षा होती है।

पारंपरिक व्यंजन: गुड़ के चीला, अईरसा, चौसेला, बोबरा, गुलगुला भजिया, सोहारी, ठेठरी और खुरमी जैसे पकवान बनाए जाते हैं। इनका भोग कृषि औजारों और गोधन को लगाया जाता है।

सांस्कृतिक व सामाजिक संदेश

हरेली तिहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह मानव का प्रकृति के साथ अटूट संबंध दर्शाता है। यह पर्व सिखाता है कि जो प्रकृति और पशुधन हमें जीवन और भोजन देते हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हमारा परम कर्तव्य है। आज छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हरेली पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर और 'छत्तीसगढ़िया ओलंपिक' के तहत पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देकर इस लोक-सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

नैनीताल का रोप-वे, अंग्रेजों ने 139 वर्ष पहले ही बना ली थी योजना

प्रयाग पाण्डे

अंग्रेजों के प्रकृति प्रेम एवं औपनिवेशिक शासकों की तात्कालिक आवश्यकताओं के चलते आज से करीब 183 साल पहले 1843 में कुछ यूरोपीय नागरिकों की स्वतंत्र पहल से नैनीताल नामक नगर की बसावट शुरू हुई। नैनीताल को एक आदर्श हिल स्टेशन के रूप में आबाद और विकसित करने के पीछे अंग्रेजों का प्रकृति प्रेम के साथ लालच भी था और जरूरत भी। इसमें कोई दो राय नहीं कि नैनीताल के प्रति अंग्रेजों के मन में एक विशेष आत्मीयता का भाव था। आत्मीयता के इस रिश्ते को उन्होंने नैनीताल के साथ ईमानदारी से निभाया भी।

नैनीताल को अंग्रेजों ने एक निश्चित जनसंख्या के लिए बसाया। इसी के मद्देनजर यहाँ आधारभूत सुविधाओं का ढाँचा खड़ा किया गया था। 1890 के आसपास जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी तकरीबन दस हजार के आसपास थी,तभी से यहाँ की भार वहन क्षमता का आकलन किए जाने की बात होने लगी थी। तत्कालीन अनेक ब्रिटिश अधिकारियों का कहना था कि नैनीताल अति मनुष्यों से भर गया है। लिहाजा यहाँ आबादी का और अधिक बोझ डाला जाना अनुचित है। अंग्रेज नैनीताल के भंगुर पर्यावरण से बखूबी वाकिफ थे। उनकी हरेक योजनाएं दीर्घकालिक नजरिए से बनती थीं। अंग्रेजों ने आज से 139 साल पहले नैनीताल को रोप -वे से जोड़ने के बारे में सोच लिया था। इसके लिए बाकायदा रोप -वे की योजना को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई थी।

प्रारंभिक काल में नैनीताल आने-जाने के लिए सबसे बड़ी समस्या रास्तों की थी। प्रारंभिक दौर में बरेली से बाजपुर होते हुए कालाढूंगी पहुँचा जाता था, वहाँ से निहाल नदी के किनारे-किनारे खुर्पाताल होते हुए नैनीताल। शुरुआत में यह पूरी यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ती थी। 1847 में निहाल पुल से खुर्पाताल होते हुए नैनीताल तक अश्व मार्ग बना दिया गया था। फिर पुरुषों के लिए घोड़े और महिलाओं एवं बच्चों के लिए डांडी से यात्रा करना संभव हो गया था। 1884 में काठगोदाम तक रेल पहुँचने के बाद 1885 में काठगोदाम से ब्रेवरी तक सड़क बनाई गई। इसके बाद ब्रेवरी तक तांगे आने लगे थे। ब्रेवरी से नैनीताल आने के लिए घोड़े, डांडी और पालकी या फिर पैदल एकमात्र यातायात के साधन थे। ब्रिटिश साम्राज्य में भारत के सर्वशक्तिमान आका समझे जाने वाले अविभाजित भारत के वॉयसराय और नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर से लेकर ब्रिटिश सेना और शासन के सभी आला अफसरान घोड़े की सवारी कर ही नैनीताल आते-जाते थे। 1893 में नैनीताल में तांगे आने लगे थे।

तांगों द्वारा यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाने के बावजूद अभी भी नैनीताल में आवागमन बहुत आसान नहीं था। स्थानीय मौसमियत का आवागमन पर सीधा असर पड़ता था।बरसात और ठंड के दिनों में नैनीताल की आवाजाही बेहद जोखिम भरी, श्रमसाध्य एवं तकलीफदेह होती थी। बरसात में भू -धंसाव की घटनाएं बढ़ जाती थीं, जिससे आवागमन प्रभावित होता था। अगर मौसम अनुकूल भी हो तो भी नैनीताल आने -जाने में बहुत समय लगता था। आवागमन की इस समस्या से निजात पाने के लिए मई,1887 में मिस्टर हन्ना नामक एक अंग्रेज ने यातायात और सामान लाने, ले जाने के लिए नैनीताल से कालाढूंगी की ओर तीन हजार फीट लंबे रोप-वे के निर्माण का सुझाव दिया। ब्रिटिश प्रशासन ने इस प्रस्ताव पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी। इस कार्य को संपादित करने के लिए 1888 के प्रारंभिक दिनों में ‘नैनीताल रोप -वे कंपनी लिमिटेड’ बन गई। अगस्त, 1888 में मिस्टर हन्ना ने रोप-वे के लिए 9900 रुपये की शुरुआती योजना बना ली थी। मिस्टर हन्ना की रोप-वे की इस योजना का नैनीताल नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने व्यवहारिक पक्षों का अध्ययन किया। तब इस समिति में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भी सदस्य होते थे। योजना के सभी पक्षों की जाँच-परख के बाद नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी। 8 अक्टूबर, 1888 को नगर पालिका कमेटी की बैठक में भी इस योजना को स्वीकृति दे दी गई। अंतिम स्वीकृति के लिए योजना को कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक कमिश्नर को भेज दिया गया।

प्रस्तावित रोप -वे के तार स्लीपी हॉल एवं लौंगडेल से होते हुए जाने थे। 30 नवंबर, 1888 को नगर पालिका, नैनीताल के तत्कालीन उपाध्यक्ष जे. ओकशॉट ने कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त को रोप-वे के तारों को ले जाने के लिए स्लीपी हॉल और लौंगडेल की जमीन के निश्चित हिस्सों को ‘अनिवार्य अधिग्रहण एक्ट-x-1870 की धारा -12 के अंतर्गत 650 रुपये में अधिगृहित करने का प्रस्ताव भेजा। इधर नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना से कहा कि वे इस योजना का ठेका दस हजार रुपये में खुद ही ले लें। नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना को योजना की लागत राशि का अग्रिम भुगतान करने की भी पेशकश कर दी। मिस्टर हन्ना की सहमति के बाद नगर पालिका ने रोप -वे योजना का दस हजार रुपये का टेंडर उनके नाम स्वीकृत कर दिया था। नगर पालिका का तर्क था कि दार्जिलिंग में दस हजार रुपये की लागत से एक हजार फीट लंबी रोप- वे लाइन डाली गई है, जबकि मिस्टर हन्ना उतनी ही राशि में तीन हजार फीट लंबी रोप-वे बनाने जा रहे हैं। वह भी बिना अग्रिम भुगतान के। नगर पालिका ने रोप -वे योजना के लिए सरकार से नारायण नगर, चोरखेत और सडियाताल में जमीन माँगी। इसी दरम्यान पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता एफ.बी.हेंसलोव ने मिस्टर हन्ना की रोप-वे योजना पर अपनी विस्तृत आख्या दी थी।

अभी यह प्रस्ताव कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त के विचाराधीन था। प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद जमीन पर काम शुरू हो पाता कि 6 मई, 1888 को हरमिटेज, स्लीपी हॉल और क्रेग कॉटेज के तत्कालीन स्वामी कर्नल डब्ल्यू. बैरन और लौंगडेल के तत्कालीन मालिक कुंवर रणजीत सिंह ने इस योजना पर अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। कर्नल डब्ल्यू. बैरन का कहना था कि उन्होंने हाल ही में हरमिटेज को दोमंजिला किया है। प्रस्तावित रोप-वे उनके बरामदे से दृष्टिगोचर होगी,जिससे उनकी निजता भंग होने की आशंका है। कर्नल बैरन ने अपने पत्र में लिखा कि नैनीताल के ‘बड़े फायदे’ के लिए उनकी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना उचित नहीं है। इस मामले में लंबी लिखा-पढ़ी हुई। अंततः यह मामला नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर तक जा पहुँचा। प्रोविंसेज के गवर्नर ने कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों का संज्ञान लिया। इस बारे में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध के सचिव आर. स्मीटन ने 18 मई, 1888 को कुमाऊँ के कमिश्नर को पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर किसी भी नागरिक के निजी अधिकारों के हनन के पक्ष में नहीं हैं। कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों के मद्देनजर रोप -वे के लिए वैकल्पिक मार्ग खोजा जाए। जिसमें किसी की निजी भूमि नहीं आ रही हो या किसी को भी कम से कम नुकसान हो। इसके बाद रोप -वे की यह योजना हवा में ही अटक कर रह गई। 1947 में अंग्रेज अपने वतन लौट गए। भारत आजाद हो गया। आजादी के 79 साल बीत जाने के बावजूद नैनीताल को रोप-वे से जोड़ने की दिशा में आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

जब नैनीताल में यातायात के वैकल्पिक व्यवस्थाएं खोजने का यह मुआमला चल रहा था, तब यहाँ यांत्रिक यातायात की शुरूआत नहीं हुई थी। नैनीताल गाड़ियों की भीड़ -भाड़ और शोरगुल से निरापद था। आज जबकि नैनीताल के हरेक हिस्से में गाड़ियां बिछ-सी गईं हैं। रोज-ब-रोज गाड़ियों का तांता बढ़ता ही चला जा रहा है। नगर के पैदल रास्ते भी छोटी-बड़ी गाडियों की भीड़ से अछूते नहीं हैं। नगर की सड़कों में क्षमता से कई गुना अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहन दौड़ रहे हैं। अनियंत्रित यातायात के चलते आम लोगों का पैदल चल पाना दुष्कर हो गया है। अंधाधुंध यांत्रिक यातायात के कारण यहाँ वायु और ध्वनि प्रदूषण में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। आजाद भारत के आधुनिक योजनाकार क्षमता से कई गुना अधिक गाड़ियों की इस जानलेवा भीड़ पर प्रभावी अंकुश लगाने की जुगत लगाने के बजाय इस समस्या का समाधान पार्किंग सुविधा बढ़ाने में खोज रहे हैं। जब नगर में निश्चित संख्या से अधिक गाड़ियों के चलने के लिए जगह ही नहीं है तो पार्किंग सुविधा बढ़ाने से क्या लाभ होगा? इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है। नैनीताल नगर में क्षमता से अधिक वाहनों के रेंगने से रोकने के लिए दीर्घकालिक हल खोजने की जरूरत है। ताकि यहाँ के पर्यावरण और मौसमियत,दोनों की हिफाजत हो सके।

विजन 2047 की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ : उद्योगों से आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की नई पहल

छगन लाल लोन्हारे, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां विकास का उद्देश्य केवल नए उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक और क्षेत्रीय संतुलन के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए पारदर्शी, निवेश-अनुकूल और रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार किया है। वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की कतार में खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का किया भूमिपूजन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड 235 करोड़ रुपए के निवेश से यहां गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इस यूनिट से 4650 लोगों को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल और गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने यह अहम कदम है।

प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुई, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार

बीते ढाई वर्षों में राज्य को 264 औद्योगिक परियोजनाओं से लगभग 8.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 1.72 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 154 परियोजनाएं निर्माण, भूमि आवंटन अथवा उत्पादन के चरण तक पहुंच चुकी हैं, जबकि कई इकाइयां पहले ही उत्पादन प्रारंभ कर चुकी हैं। इसी अवधि में प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। यह दर्शाता है कि सरकार की औद्योगिक नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धरातल पर परिणाम दे रही हैं।

विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन

राज्य सरकार द्वारा लागू औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन, एमएसएमई और सेवा उद्योगों को पहली बार विशेष लाभ, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मा जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति की प्रमुख विशेषताएं हैं। यही कारण है कि नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर एसईजेड और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश जैसी बड़ी पहलें आकार ले रही हैं।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 150 से अधिक सेवाओं वाला नया सिंगल विंडो सिस्टम, निवेशकों के लिए एआई आधारित वाणी प्रणाली, 500 से अधिक प्रशासनिक सुधार तथा प्रक्रियाओं का सरलीकरण निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रहा है। औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए राज्य में 23 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए तथा 15 जिलों में 26 नए औद्योगिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। सरोरा में प्लास्टिक पार्क और नवा रायपुर में टेक्सटाइल, फार्मा एवं रेडीमेड गारमेंट पार्क जैसे प्रयास औद्योगिक आधार को और मजबूत बना रहे हैं।

सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना

हाल ही में विजन 2047 औद्योगिक विकास की संभावनाएं विषयक चर्चा में उद्योगमंत्री लखन लाल देवांगन ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना है, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिकतम अवसर मिल सकें। आने वाले वर्षों के लिए सरकार निर्यात नीति, स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, कौशल विकास, इंटर्नशिप, एमएसएमई सशक्तिकरण और बस्तर-सरगुजा जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, प्रदेश के युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाना है।

छत्तीसगढ़ के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और बिजनेस-फ्रेंडली माहौल में निवेशकों के बढ़ते भरोसे

राज्य में नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद पिछले 18 महीनों में 8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का वादा मिला है, जिससे अलग-अलग सेक्टर में 1.6 लाख से ज़्यादा रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। टेक्सटाइल और कपड़ों के अलावा, राज्य ने डेटा सेंटर, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भी बड़े निवेश आकर्षित किए हैं। यह छत्तीसगढ़ के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और बिजनेस-फ्रेंडली माहौल में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

नवा रायपुर में आधुनिक टेक्सटाइल पार्क की स्थापना

राज्य में वस्त्र एवं परिधान उद्योग को प्रोत्साहित करने नवा रायपुर में आधुनिक टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की जा रही है। इसके 81 एकड़ क्षेत्र में 2758 वगर्मीटर से लेकर 38 हजार 180 वगर्मीटर आकार के भूखंड उपलब्ध हैं। टेक्सटाइल, गारमेंट एवं परिधान उद्योग, तकनीकी वस्त्र (ज्मबीदपबंस ज्मगजपसमे) तथा इनके सहायक एवं पूरक उद्योगों की स्थापना के लिए निवेशकों को यहां सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रदेश आज उद्योगों की नई उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार

विजन 2047 की दिशा में छत्तीसगढ़ का यह औद्योगिक अभियान केवल आर्थिक विकास की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे भविष्य का निर्माण है जहां निवेश, नवाचार, रोजगार और समावेशी विकास मिलकर आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव रख रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के प्रयासों से प्रदेश आज उद्योगों की नई उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सिर्फ 1 चम्मच अंडों की कीमत लाखों रुपये

अल्मास कैवियार को दुनिया का सबसे महंगा फूड माना जाता है. अल्मास कैवियार ईरान की बेलुगा स्टर्जन मछली के अंडाशय से निकाले जाते हैं और यह दुर्लभ प्रजाति की मछली है. इसकी वजह से इसके एक चम्मच कैवियार की कीमत लाखों रुपये हो सकती है. नीलामी में कीमत करोड़ों तक पहुंच सकती है.

अल्मास कैवियार की कीमत लाखों रुपये होती है

जब भी महंगे फूड्स की बात होती है, तो अल्मास कैवियार को लिस्ट में टॉप पर रखा जाता है. अधिकतर लोग समझते हैं कि कैवियार मछली के अंडे होते हैं, लेकिन यह सच नहीं है. कुछ खास और दुर्लभ प्रजाति की मछलियों के अंडाशय से निकाले गए अंडों को ही कैवियार माना जाता है. जबकि सबसे महंगे अल्मास कैवियार ईरान की अल्बिनो स्टर्जन मछली से मिलते हैं और इनकी कीमत लाखों रुपये होती है. आपको जानकर हैरानी होगी कि अल्मास कैवियार की कीमत लाखों रुपये होती है, जिसकी वजह से इसे दुनिया का सबसे महंगा फूड माना जाता है. अल्मास कैवियार को सेहत के लिए बेहद चमत्कारी माना जाता है और यही वजह है कि यह रईसों की पसंद बनते जा रहे हैं. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की रिपोर्ट की मानें तो अल्मास को दुनिया का सबसे महंगा खाने का दर्जा प्राप्त है. अल्मास कैवियार ईरान की अल्बिनो स्टर्जन फिश के अंडाशय से निकाले जाते हैं और इनका रंग काला होता है. इसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है. आमतौर पर एक किलो अल्मास कैवियार की कीमत 34500 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 29 लाख रुपये होती है. इस एक चम्मच कैवियार की कीमत एक लाख रुपये के आसपास होती है. अब सवाल है कि इसकी कीमत इतनी ज्यादा क्यों है? दरअसल अल्मास कैवियार अत्यधिक दुर्लभ प्रजाति की मछली अल्बिनो स्टर्जन से निकाले जाते हैं, जिसकी उम्र करीब 60 से 100 साल के बीच होती है. ये मछलियां कैस्पियन सागर के दक्षिणी हिस्से में पाई जाती हैं, जहां सबसे कम पॉल्यूशन होता है.

गिरगिट ही नहीं, ये जीव भी खतरा देखकर बदल लेते हैं रंग

कोई शिकारी को चकमा देने, कोई प्रेम होने पर बदलता है रंग

गिरगिट की तरह रंग बदलना, यह एक कहावत भी है क्योंकि गिरगिट अक्सर खतरा भांपकर अपना रंग बदलने में माहिर होते हैं। लेकिन ऐसे कुछ और जीव भी हैं, जो शिकारी को चकमा देने के लिए या अपने मूड के हिसाब से अपने शरीर का रंग बदल सकते हैं।

ट्री फ्रॉग: मौसम देख बदलता है रंग

पैसिफिक ट्री फ्रॉग रंग बदलने वाला एक जीव है, जो उत्तरी अमेरिका में पाया जाता है। ये मेंढक जैसे ही अपने आसपास कोई खतरा महसूस करता है, तो तुरंत अपना रंग बदल लेता है। ये मौसम के मुताबिक भी रंग बदलता रहता है। यह सांप को देखकर दो मिनट में रंग बदल लेता है।

सी-हॉर्स: सेकंड्स में बदल सकता है

सी-हॉर्स भी समुद्री जीवों की रंग बदलने वाली प्रजाति है। इनमें क्रोमेटेफोर्स नामक तत्व होता है, जो इन्हें तेजी से और कई तरह का रंग बदलने में मदद करता है। शिकारी सामने हो तो सी-हॉर्स कुछ सेकंड्स में रंग बदल लेते हैं, वहीं साथी से मिलन के दौरान रंग धीरे-धीरे बदलता है।

फ्लाउंडर मछली: आंखों से बदलती रंग

फ्लाउंडर मछली का रंग बदलना आंखों के जरिए होता है। फ्लाउंडर की आंखें भूरे के अलावा किसी भी दूसरे रंग को कैप्चर कर लेती हैं। आंखों से रंग कोशिकाओं को पहुंचाया जाता है और फिर

कोशिकाएं बाहरी त्वचा को उसी रंग में डाल लेती हैं। आंखों को नुकसान हो तो यह रंग नहीं बदल पाती।

गोल्डन टॉरटॉइज: छुने पर बदलता है रंग

यह भी तभी रंग बदलता है, जब कोई इंसान इसे छूने की कोशिश करे। आसपास की किसी चीज में यह घुल-मिल जाता है जैसे कोई फूल, पत्ती या फिर मिट्टी। अपने साथी से मिलते हुए इस बीटल का रंग बदलता है। वैसे ये सुनहरे रंग के होते हैं लेकिन खास हालातों में लाल चमकीले रंग के हो जाते हैं।

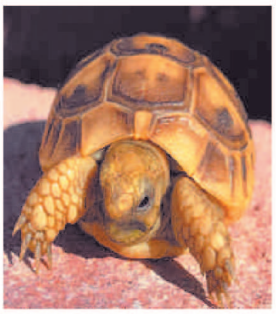

मिमिक ऑक्टोपस की लचीली स्किन

कई ऐसे समुद्री जीव भी हैं, जो रंग बदलने में माहिर होते हैं, इन्हीं में से एक है मिमिक ऑक्टोपस। ये बुद्धिमान जलीय जीव आमतौर पर प्रशांत क्षेत्र में पाए जाते हैं। ये किसी भी परिवेश में खुद को ढालने के लिए अपना रंग बदल लेते हैं। लचीली स्किन के कारण आकार भी बदल पाते हैं।

ग्रह पर सबसे गर्म और सबसे शुष्क स्थानों में से एक है, डानाकिल डिप्रेशन

ये आपके औसत रन-ऑफ़-द-मिल पूल नहीं हैं, ये वास्तव में एसिड पूल हैं। यहां तक कि ज़मीन जैसी दिखने वाली चीज़ें भी नमक और गंधक की भंगुर परतें हैं। पूरी तरह से पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों में से एक। डानाकिल डिप्रेशन के नीचे की टेक्टोनिक प्लेटें लाखों वर्षों के बाद भी हिलती रहती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि हलचल नहीं रुकी तो ज़मीन समुद्र तल से और भी नीचे चली जायेगी। क्या वह देखने लायक दृश्य नहीं होगा?

रंगों के एक अवास्तविक परिदृश्य में, जिसमें पीले और हरे रंग के चमकदार तालाबों का वर्चस्व है, उबलता गर्म पानी कड़ाही की तरह उबलता है, जबकि जहरीली क्लोरीन और सल्फर गैसें हवा को अवरुद्ध कर देती हैं।

नर्क का प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है, इथियोपिया में डानाकिल डिप्रेशन अत्यधिक गर्म है और पृथ्वी पर सबसे अधिक विदेशी स्थानों में से एक है। फिर भी इस क्षेत्र में एक हालिया अभियान से पता चला है कि यह जीवन से भरपूर है।

हॉर्न ऑफ़ अफ़्रीका के मध्य में, डानाकिल डिप्रेशन दुनिया के सबसे दूरस्थ, दुर्गम और सबसे कम अध्ययन किए गए स्थानों में से एक है। यह उत्तर-पश्चिम इथियोपिया में एक ज्वालामुखी क्षेत्र में समुद्र तल से 330 फीट (100 मीटर) नीचे स्थित है, जो इरिट्रिया की सीमा के करीब है, जिसे उपयुक्त रूप से अफ़ार नाम दिया गया है। यह पूर्वी अफ्रीकी दरार प्रणाली का हिस्सा है, एक ऐसी जगह जहां पृथ्वी की आंतरिक ताकतें वर्तमान में तीन महाद्वीपीय प्लेटों को तोड़ रही हैं, जिससे नई भूमि बन रही है।

हिंसक परिदृश्य यकीनन ग्रह पर सबसे गर्म स्थान है, और सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। तापमान नियमित रूप से 45ष्ट (113स्न) तक पहुँच जाता है। शायद ही कभी बारिश होती है, लेकिन परत की सतह के ठीक नीचे पिघले हुए मैग्मा का समुद्र रिसता है। दो अत्यधिक सक्रिय ज्वालामुखी हैं- उनमें से एक, एर्टा एले, उन मुट्ठी भर ज्वालामुखियों में से एक है जिसके शिखर पर एक सक्रिय, बुदबुदाती लावा झील है। यह क्षेत्र एसिड तालाबों और गीजर से भी भरा हुआ है, और इसमें एक गहरा गड्ढा है जिसे डेलोल कहा जाता है।

इन 'शादीशुदा चट्टानों' के सामने जीवनभर साथ रहने की कसमें खाते हैं कपल्स

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें हैं जिन्हें पवित्र माना जाता है। ऐसी ही एक जगह है जापान का मेओटो इवा, द वेडेड रॉक्स। वेडेड रॉक्स या मेओटो इवा जापान में दो पवित्र चट्टानें हैं और इन्हें हसबैंड एंड वाइफ रॉक्स या मैरिड रॉक्स के नाम से भी जाना जाता है। ये चट्टानें प्रेम, स्त्री-पुरुष के मिलन और सुखी पारिवारिक जीवन का प्रतीक मानी जाती हैं। कपल्स इन चट्टानों को पवित्र मानते हैं और इनके सामने ही शादी करते हैं। इन चट्टानों के सामने कपल्स जीवनभर साथ रहने की कसमें खाते हैं। ये दोनों चट्टानें जापानी शहर फ़ुतामी के पास समुद्र में स्थित हैं।

यह बड़ी चट्टान 9 मीटर ऊंची है और इसकी परिधि लगभग 40 मीटर है। इसका नाम इज़ानागी है, और यह एक पति का प्रतीक है, जिसके शिखर पर एक छोटा सा शिंटो टोरी गेट है। इस चट्टान के दाहिनी ओर इज़ानामी नाम की 3.6 मीटर ऊंची चट्टान है, जो लगभग 9 मीटर गोल है। इसे एक पत्नी के रूप में दर्शाया गया है। दोनों चट्टानें रस्सियों से जुड़ी हुई हैं और विवाहित बताई जाती हैं। दो चट्टानें शिमेनावा रस्सी से जुड़ी हुई हैं, जो आध्यात्मिक और सांसारिक क्षेत्रों के बीच विभाजन का प्रतीक है। यह रस्सी शिमेनावा नामक चावल के डंठल से बनी होती है, जिसका वजन लगभग एक टन होता है और इसे साल में तीन बार मई, सितंबर और दिसंबर में आयोजित एक विशेष समारोह में बदला जाता है।

फेहर्मनबेल्ट - दुनिया की सबसे लंबी अंडरवॉटर रेल- रोड टनल

डेनमार्क से जर्मनी पहुंचेंगे महज 7 मिनट में

यूरोपीय देश डेनमार्क व जर्मनी के बीच दुनिया की सबसे लंबी इर्मस्ड टनल बनाई जा रही है। इस टनल का नाम फेहर्मनबेल्ट टनल है। यह टनल दुनिया की सबसे लंबी रोड व ट्रेन टनल होगी। इस टनल को बाल्टिक सागर के नीचे बनाया जा रहा है। इस टनल के बनने से इन दोनों देशों के बीच का सफर बहुत ही आसान हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट यूरोप के सबसे बड़े इंफास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में से एक है। हाल ही में डेनमार्क के राजा ने इसके एक खंड का उद्घाटन किया है। टनल को फेमर्न नामक कंपनी बना रही है।

2029 में होगी टनल तैयार

इस टनल की लंबाई करीब 18 किलोमीटर होगी। इसे पानी की सतह से करीब 40 मीटर नीचे बनाया जा रहा है। फिलहाल यहां से डेनमार्क जर्मनी जाने के लिए फेरी की मदद लेनी पड़ती है। इसमें 45 मिनट का समय लगता है। टनल के बनने के बाद यह दूरी रेल से 7 मिनट में व कार से 10 मिनट में पूरी की जा सकेगी। टनल से मध्य यूरोप में रेल व सड़क कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी। टनल को बनाने के लिए दोनों देशों के बीच सहमति साल 2008 में ही बन गई। लेकिन दोनों देशों से मंजूरी मिलने व यूरोपीय यूनियन के कानूनों की वजह से डेनमार्क की ओर से साल 2020 में व जर्मनी की ओर से साल 2021 में काम शुरू हुआ। साल 2029 तक इस टनल के बनकर तैयार होने का दावा किया जा रहा है। टनल के निर्माण में करीब 3 लाख 60 हजार टन सरिये की जरूरत होगी, यह मात्रा एफिल टावर के मेटल स्ट्रक्चर के वजन का 50 गुना है। इस टनल को प्री बिल्ट टनल सेक्शन तकनीक से बनाया जा रहा है। टनल बनाने के लिए 711 फीट लंबे और 138 फीट चौड़े 79 स्टैंडर्ड व 10 स्पेशल ब्लॉक्स बनाए जा रहे हैं। इन सेक्शन को फैक्ट्री में बनाया जा रहा है। वहां से क्रेन व बोटस की मदद से बाद में इन्हें पानी में इंस्टॉल किया जा रहा है। पानी में ब्लॉक्स इंस्टॉल करने के बाद इनके इंटीरियर, कैमरा, लाइट्स, कम्युनिकेशन सिस्टम, वेंटिलेशन और रेलवे ट्रैक बिछाने आदि का काम किया जाता है। इस टनल को 120 सालों तक इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस टनल के निर्माण में करीब 59 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

श्रेया कालरा ने बिग 'बॉस 20' के लिए किया मना, अहम वजह

श्रेया कालरा, जो हाल ही में रियलिटी शो 'लॉक अप' की विजेता बनी हैं। वह अभी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लेने में दिलचस्पी नहीं रख रही हैं। श्रेया ने अपने इंस्टाग्राम पर साफ किया कि वह अभी कंटेस्टेंट के तौर पर किसी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। इससे पहले इस बात को लेकर अफवाहें चल रही थीं कि श्रेया कालरा बिग बॉस 20 में दिखेंगी।

श्रेया ने कहा 'दोस्तों, जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं बिग बॉस जाऊंगी या नहीं, उन्हें बता दूं कि मैं अभी-अभी एक पागलखाने से बाहर आई हूं। मैं अभी कंटेस्टेंट के तौर पर कोई रियलिटी शो करने का प्लान नहीं बना रही हूं। क्योंकि वह मानसिक रूप से बहुत थकाने वाला और मुश्किल था। इसलिए मेरे लिए बिग बॉस नहीं, लेकिन अगर होस्ट करने, मेंटर बनने या गैंग लीडर बनने का मौका मिले, तो मैं जरूर उत्साहित होऊंगी। अगर ऐसा कुछ हुआ तो मजा आ जाएगा। लेकिन कंटेस्टेंट? नहीं भाई, यह सब झेलना बहुत मुश्किल है।'

श्रेया ने अदा किया शुक्रिया

कुछ दिन पहले ट्रॉफी जीतने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, कालरा ने अपनी जीत उन लोगों को समर्पित की जो कॉम्पिटिशन के दौरान उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड ऋषभ जायसवाल और साथी कंटेस्टेंट शिल्पा शिंदे और माधुरी ग्रोवर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जहां ट्रॉफी उनके सपोर्टर्स की है, वहीं 1 करोड़ रुपये की प्राइज मनी का इस्तेमाल प्रैक्टिकल कामों में किया जाएगा। उनकी जीत पर सवाल उठाने वालों की आलोचना का जवाब देते हुए, कालरा अपनी बात पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा 'मुझे पता है कि मैं इसकी हकदार हूं। मैंने शो में जो कुछ भी दिया, वह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से दिया। मैं इस ट्रॉफी और प्राइज मनी की हकदार हूं। कोई क्या कहता है, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप हर किसी की कहानी में हीरो नहीं हो सकते।

टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म में हुई पश्मीना रोशन की एंट्री

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रेमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी। फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है। यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की 2016 में रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद दूसरी फिल्म है। बताया जा रहा है कि यह एक नई एक्शन फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म होगी। इसमें अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

यह फिल्म भारतीय निर्माता और उद्यमी विक्की जैन के प्रोडक्शन हाउस वीजे फ्रेम्स के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म भी है। दमदार स्टारकास्ट और रेमो डिसूजा के निर्देशन के साथ इसे बड़े स्तर की एक्शन एंटरटेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है।

इश्क विश्क रिबाउंड' के बाद नया सफर

पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था। फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शित्या विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलगांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे। अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

स्टंट आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। 'बिग बॉस 19' में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने आईएएनएस से खास बातचीत में रोहित शेट्टी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ''रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपको साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने आगे कहा, ''रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।'' शो को लेकर फरहाना ने कहा, ''इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है।'' फरहाना ने कहा, ''मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है।''

हाल ही में अभिनेता गौरव खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें स्टंट के दौरान लगी चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे। उन्होंने बताया था कि एक टास्क को पूरा करने के दौरान उनकी पीठ पर लेजर से जलने के निशान आ गए थे। 'खतरों के खिलाड़ी 15' का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर होता है।

हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख का रिलेशनशिप कन्फर्म

बीते कई दिनों से हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख के साथ होने की चर्चाएं जारी हैं। पहले भी कई बार एक्टर्स को साथ देखा जा चुका है। अब उनकी इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद एक बार फिर फैंस के मन में कई सवाल खड़े होने लगे हैं। दरअसल हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ दिनों पहले कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें पुणे के विंड्स ओवर वॉटर के केबिन की हैं। दोनों की पोस्ट में कुछ समानताएं नजर आ रही हैं। पोस्ट एक जगह की है, जहां वे शांति भरा समय बिताते नजर आ रहे हैं। खास बात ये है कि दोनों की तस्वीरें एक ही जगह की दिखाई दे रही है। हालांकि दोनों की साथ में कोई तस्वीर नहीं है। अब दोनों की इन तस्वीरों को देखकर फैंस में उनके रिलेशनशिप में होने की चर्चा शुरू हो गई है। फैंस भी उनकी पोस्ट पर साथ होने के कमेंट कर रहे हैं।

साथ कर चुके हैं फिल्में

हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख दो प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम कर चुके हैं। 2020 की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'तैश' और थ्रिलर फिल्म 'कुन फाया कुन' में दोनों की जोड़ी साथ नजर आई थी।

क्या आलिया-रणबीर की 'लव एंड वॉर' का हिस्सा होंगी दीपिका पादुकोण

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' पहले से ही बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अब रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दीपिका पादुकोण के भी फिल्म में होने की नई अटकलों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन 'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज ने कास्टिंग की इन अफवाहों को हवा दी है।

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इन फिल्मों में नजर आए रणबीर और दीपिका

इसलिए, अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

सच बोलने की कोशिश की तो मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से है, जो अपने निर्भय और बिंदास बोल के कारण हमेशा सुर्खियों भी रहते हैं। हाल ही में अपने कुछ बयानों के कारण वे विवादों में आ गए थे। उससे होने वाले खामियाजे के बारे में वे कहते हैं, 'सच कहूं, तो मैंने कभी निर्भय होकर अपनी बात नहीं रखी है। मैंने तो हाल ही में जितना संभव हो सकता था, सच बोलने की कोशिश की है। मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़ कर बुरा बनाकर पेश किया गया। मेरा निजी तौर पर किसी से कोई बैर नहीं। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे माफ कर दो। मुझसे मत पूछो मैं नहीं जानता।'

तोड़ा-मरोड़ा कंटेंट दिया जाता है

वह आगे कहते हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली कुछ सेकंड्स की क्लिप्स के लिए भी ऐसा तोड़ा-मरोड़ा हुआ कंटेंट दिया जाता है। वह कहते हैं, 'इस तरह की क्लिप्स में जनता को भी खूब रस आता है। तो इसे दिखाने वाले उसी सनसनीखेज अंदाज में पेश करते हैं। मुझे लगता है इन मामलों में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।'

हमारी नाटक कंपनी को नीची निगाह से देखा जाता था

हरफनमौला अन्नू कपूर एक जमाने में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते थे। अपने उस दौर का जिक्र करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे पिताजी की जो नाटक कंपनी थी। उसके कारण हमें नीची निगाह से देखा जाता था। इसलिए माता जी की इच्छा थी कि हम किसी भी इज्जतदार प्रोफेशन में जाएं। जैसे पुलिस, डॉक्टर, आईपीएस अफसर आदि। मैं पढ़ाई में अच्छा था, तो माता जी को मुझसे ही उम्मीद थी, मगर फिर हालात ऐसे बने कि पढ़ाई छूट गई। मैं भी नाटक कंपनी से जुड़ गया। हम तो टैंटों में रहा करते थे। हम घुमंतू जैसे फोक नाटक कंपनी में काम करते थे, तो बारिश के दिन हमारे लिए बहुत ही कहर बरसाने वाले होते थे। घुमंतू नाटकों में 15 दिन इस गांव में, तो 15 दिन उस गांव में जाना होता था। हर नई जगह जाकर स्टेज तैयार करना होता था। अब अगर बारिश हुई तो हम नाटक ही नहीं कर पाएंगे, क्योंकि सब कुछ ओपन एर में होता था। नाटक नहीं कर पाएंगे, तो पब्लिक नहीं आएगी और पब्लिक नहीं आई, तो पैसा नहीं मिलेगा। तब हमें भूखे भी रहना पड़ेगा। तो हम लोग तो भोंपू लेकर बारिश के रुकने के इंतजार में बैठे रहते थे कि कब भोंपू बजाएं और कब लोगों को नाटक के लिए बुलाएं। तब बारह आने हुए एक रुपए का टिकट हुआ करता था।'

कब्रिस्तान जाकर पढ़ाई करता था

अन्नू कपूर की हालिया रिलीज 'उत्तर दा पुत्तर' में वास्तु के अलावा अंधविश्वास के मुद्दे भी बात की गई। अन्नू कपूर ने बताया कि वह जरा भी अंधविश्वासी नहीं हैं। उन्होंने अपने स्कूल-कॉलेज के दिनों एक एक किस्सा बयान करते हुए कहा, 'मैं जब नीमच-मध्यप्रदेश में जीवाजीराव सिंधिया हॉस्टल में पढ़ा करता था, तब वहां उस जमाने में हमारे हॉस्टल के पास अंग्रेजों के जमाने का क्रिश्चनों का ग्रेवयार्ड था। मेरे मन में बहुत चाह जागती थी कि चांदनी रात में लालटेन लेकर उस कब्रिस्तान में पढ़ूं तो सही। आपको सुन कर अटपटा लगेगा, मगर मैंने जब वहां पढ़ना शुरू किया, तो मेरा मन लगने लगा।'

हर दिन शुभ, कोई जगह मनहूस नहीं होती

'फिजिक्स केमिस्ट्री का कोई इक्वेशन अगर समझ में नहीं आ रहा है, तो वहां समझ आने लगा। रिजल्ट भी अच्छा आया। मेरी देखा -देखी में मैंने भी अपने दोस्तों को वहां पढ़ने की दावत दी। पहले तो वो थोड़ा झिझके, मगर फिर वो लोग भी जुड़ गए। सालों बाद जब मेरा नीमच जाना हुआ, तो मैं उसी ग्रेवयार्ड को खोज रहा था। तब मेरे साथ के लोग बोले कि अब तो उस पूरे इलाके में बस्तियां बस गई हैं। अब तो उस जगह को आप कब्रिस्तान के रूप में ढूंढ ही नहीं पाएंगे। तो जाहिर है कि अपने कॉलेज के जमाने में भी मैं अंधविश्वासी नहीं था। मेरा मानना कि हर दिन शुभ होता है। कोई भी जगह मनहूस नहीं होती।'

मंडलाकोन्हा के शासकीय स्कूल में सीनियर सिटीजन समिति ने बच्चों को बांटे जूते-मोजे और शैक्षिक सामग्रियां

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

कवर्धा से करीब 12 किलोमीटर दूर मैकल पर्वत श्रेणी की तलहटी में बसा सरोदा जलाशय से सटा वनांचल गांव मंडलाकोन्हा के शासकीय प्राथमिक स्कूल में अध्ययनरत 64 विद्यार्थियों को सीनियर सिटीजन समिति की ओर से जूते-मोजे, अभ्यास पुस्तिकाएं और पेन, पेन्सिल्स, ईरेजर्स, शार्पनर्स आदि लेखन सामग्रियां वितरित की गई। इसके साथ ही डॉ. अनुशिका यदु की ओर से सभी बच्चों के लिए फंडामेंटल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) का महत्वपूर्ण शैक्षिक टूल मेरी पहली पुस्तक-पहाड़ा भी उपलब्ध कराया गया।

मंडलाकोन्हा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय बाहुल्य गांव है। यहां 62 परिवार रहते हैं और आबादी करीब 200 है। गांव में रहने वाले अधिकांश परिवार वंचित और अलाभित वर्ग से हैं। शासकीय प्राथमिक स्कूल में मंडलाकोन्हा, भेलवाटोला और पड़रीपथरा के बच्चे पढ़ते हैं। इनमें 60 विद्यार्थी विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग से बैगा बच्चे हैं, जबकि चार अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एफआर वर्मा, सहायक संचालक यू.आर. चंद्राकर, नीलेश चंद्रवंशी एवं सतीश कुमार यदु एम.आई.एस, प्रशासक सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। डीईओ वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव की अपील पर समाजसेवी संस्था द्वारा विद्यार्थियों को फुटवियर उपलब्ध कराने की पहल अनुकरणीय है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिक समिति के सदस्यों को इस कार्य के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने बच्चों और पालकों को संबोधित करते हुए शिक्षा और साक्षरता के महत्व पर जोर दिया। साथ ही शिक्षकों और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति को जरूरी बताया। अधिकारियों ने बच्चों को पढ़ाई के प्रति नियमित रहने और उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों के लिए शैक्षिक और उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने में समिति के 58 सक्रिय सदस्यों ने सहयोग किया। सदस्यों ने करीब 21 हजार रुपए की राशि दान के रूप में जुटाई। समिति के पदाधिकारी और दो दर्जन से अधिक सदस्य मंडलाकोन्हा पहुंचे। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से जूते-मोजे पहनाए, माथे पर गुलाल का टीका लगाकर स्वागत किया और अच्छी तालीम हासिल करने की सीख दी। समिति के सदस्यों ने बच्चों से कहा कि संसाधनों की कमी पढ़ाई में बाधा नहीं बननी चाहिए। मेहनत और नियमित अध्ययन से वे अपने गांव और परिवार का नाम रोशन कर सकते हैं। समिति ने भविष्य में भी विद्यालय में आने और बच्चों के बीच इसी तरह सहयोग करने की बात कही।

समिति के कार्यक्रम के दौरान नियमित भ्रमण पर निकले एडीशनल एसपी अमित पटेल भी विद्यालय पहुंचे। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिक समिति की इस पहल की सराहना करते हुए सदस्यों को बधाई दी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पालक-शिक्षक, संकुल प्राचार्य खैरबना कला दयाशंकर साहू, विद्यालय प्रमुख जगदीश चौधरी, सिन्हा जी और संकुल समन्वयक विजय शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समिति के सदस्य विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. एनके यदु और आरके भूआर्य ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की। बच्चों को स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी गई। पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर में फलदार पौधों का रोपण भी किया गया।

सीनियर सिटीजन समिति ने बाल देवो भव की भावना को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया। बैगा बाहुल्य और प्राकृतिक सौंदर्य से अच्छादित मंडलाकोन्हा जैसे दुर्गम पहाड़ी के उस पार गांव में पहुंचकर बच्चों को पढ़ाई की सामग्री देना केवल वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की मुख्यधारा से दूर बच्चों तक सहयोग पहुंचाने की पहल भी रही। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन समिति अध्यक्ष मदन तम्बोली, कोषाध्यक्ष बलदाऊ प्रसाद सोनी, संस्थापक सदस्य श्याम सुंदर जैन सहित सहसचिव प्रभाकर शुक्ला, उपाध्यक्ष मुरली सिंह ठाकुर व उपाध्यक्ष सतीश यदु, आदित्य श्रीवास्तव, पंकज सिंह ठाकुर, एनके चंद्रा, सोमप्रकाश वर्मा, प्रफुल गुप्ता, रजिंदर सिंह छाबड़ा, अशोक देवांगन, राजेश गुप्ता, प्रकाश गुप्ता, सियाराम महोबिया, हरि प्रसाद शुक्ला, एसके नवीन, रामशरण चंद्रवंशी, गुरु प्रसाद शर्मा, विजय सिंह, राजेश पांडेय सहित अन्य सदस्यों ने पौधे लगाए।

खास खबर

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में शिशु संरक्षण माह के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला टॉस्क फोर्स की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में शिशु संरक्षण माह के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने कहा कि शिशु संरक्षण माह का आयोजन 18 अगस्त से 24 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान 6 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों को टीकाकरण 17 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से विटामिन ए एवं आईएफएससी सिरप पीलाई जाएगी। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से साथ कार्य करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने 6 माह से 5 वर्ष के सभी अभिभावकों से अपने बच्चों के समग्र शारीरिक, बौद्धिक एवं मानसिक विकास के लिए निर्धारित टीकाकरण सत्रों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में पहुंचकर विटामिन ए एवं आईएफए सिरफ पिलाने की अपील की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान 6 मंगलवार एवं 6 शुक्रवार को विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएंगा। जिनमें 95 हजार 443 बच्चों को आईएफए सिरप तथा 90 हजार 141 बच्चों को विटामिन ए का सिरप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। विटामिन ए के सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आंखों की सुरक्षा होती है तथा बाल मृत्यु दर में कमी आती हैं। इसके साथ ही दस्त, खसरा, रतौंधी जैसे रोग से बचाव के साथ कुपोषण की रोकथाम में भी मदद मिलती है। बैठक में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम, एसडीएम राजनांदगांव गौतम पाटिल, एसडीएम डोंगरगांव अनिकेत साहू, एसडीएम डोंगरगढ़ विश्वास कुमार, डॉ. बीएल तुलावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कल स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी कहा कि शासन के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त 2026 तक तीन चरणों में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत निराकरण में जिला अग्रिम रहा है। आगे भी सीएम हेल्पलाईन के आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ई-फाईल में लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि 18 अगस्त को नशा मुक्त भारत अंतर्गत राष्ट्रीय नशा विरोधी शपथ एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थियों एवं युवाओं को ई-शपथ के लिए प्रोत्साहित करें।

उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तैयारी करने के लिए कहा। जिला पंचायत सीईओ ने सीएम जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, सुशासन तिहार, पीजी एवं पीजीएन पोर्टल के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक लाभान्वित करें। एग्रीस्टेक ने किसानों का पंजीयन बढ़ाने के लिए कहा। हाई रिस्क वाली गर्भवती माताओं की सोनोग्राफी निजी डायग्नोस्टिक सोनोग्राफी कराने कहा तथा समय पर रिपोर्ट देने के लिए कहा।

जोराताल कॉलोनी में अव्यवस्थाओं के बीच मासिक शुल्क के आदेश से लोगों में आक्रोश

जलकर और साफ-सफाई/भू-संधारण शुल्क पर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जोराताल में निवासरत परिवारों के बीच प्रतिमाह 500 शुल्क लिए जाने के आदेश को लेकर व्यापक रोष व्याप्त है। रहवासियों का कहना है कि कॉलोनी में पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के बावजूद 300 जलकर तथा 200 साफ-सफाई/भू-संधारण शुल्क के रूप में प्रतिमाह राशि वसूल किए जाने का आदेश समझ से परे है।

कॉलोनीवासियों के अनुसार, साफ-सफाई के नाम पर 200 प्रतिमाह लिए जाने के बावजूद वर्षों से कॉलोनी की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। नालियां बजबजा रही हैं तथा अनेक स्थानों पर झाड़-फूस, गाजर घास एवं खरपतवार का जमावड़ा है। नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदगी और अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है।

स्ट्रीट लाइट भगवान भरोसे, सड़क और सुरक्षा व्यवस्था भी बदहाल

रहवासियों का कहना है कि कॉलोनी की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था भी भगवान भरोसे है। कई स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण रात में आवागमन में परेशानी होती है। वहीं सड़कें भी खराब स्थिति में हैं। कॉलोनी में सुरक्षा की दृष्टि से भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण रहवासियों में चिंता बनी हुई है।

गार्डन, दुकान और स्कूल का वादा वर्षों बाद भी अधूरा

कॉलोनीवासियों का कहना है कि हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों द्वारा कॉलोनी में गार्डन, दुकान एवं स्कूल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के वायदे किए गए थे, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी इन सुविधाओं का सपना पूरा नहीं हो सका है। रहवासियों का कहना है कि एक ओर सुविधाओं का अभाव है, वहीं दूसरी ओर लगातार नए शुल्क लगाए जा रहे हैं।

LIG मकानों पर 500 मासिक शुल्क, रहवासियों ने उठाया सवाल

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जोराताल में छक्क्ॠ (निम्न आय वर्ग) श्रेणी के मकान निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को ध्यान में रखकर बनाए और आवंटित किए गए हैं। रहवासियों का कहना है कि वर्तमान में लगाए जा रहे विभिन्न शुल्कों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि यह शुल्क व्यवस्था निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक क्षमता को ध्यान में रखकर निर्धारित नहीं की गई है। रहवासियों ने सवाल उठाया कि जब ये मकान निम्न आय वर्ग एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बनाए गए हैं, तो लगातार बढ़ते शुल्कों का आर्थिक बोझ इन परिवारों पर क्यों डाला जा रहा है?

कॉलोनीवासियों का कहना है कि वर्ष 2014 से सितंबर 2025 तक भू-संधारण शुल्क नहीं लिया जाता था। ऐसे में अब अचानक 200 प्रतिमाह भू-संधारण/साफ-सफाई शुल्क लगाए जाने के आधार, नियम एवं औचित्य को लेकर रहवासियों के मन में सवाल हैं। उनका कहना है कि इस शुल्क के संबंध में हाउसिंग बोर्ड प्रबंधन द्वारा स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

जलकर में भी अंतर, 180 की जगह 300 वसूली पर सवाल

रहवासियों ने जलकर की राशि को लेकर भी सवाल उठाया है। उनका कहना है कि नगर पालिका परिषद कवर्धा में जलकर की राशि 180 होने की जानकारी है, जबकि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जोराताल में 300 जलकर लिया जा रहा है। रहवासियों ने इस अंतर को लेकर भी हाउसिंग बोर्ड प्रबंधन से स्पष्ट जवाब और शुल्क निर्धारण का आधार बताने की मांग की है।

कॉलोनीवासियों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि भवन आवंटन एवं प्री-होल्ड के समय 30 वर्षों के लिए निर्धारित राशि एकमुश्त जमा कराई जा चुकी है, तो इसके बाद भू-संधारण के नाम पर अतिरिक्त 200 प्रतिमाह किस आधार पर लिया जा रहा है? रहवासियों का कहना है कि इस संबंध में हाउसिंग बोर्ड द्वारा स्पष्ट नियम, आदेश एवं शुल्क निर्धारण का आधार बताया जाना चाहिए।

पहले सुविधा, फिर शुल्क वसूली की मांग

कॉलोनीवासियों ने हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों से मांग की है कि 500 प्रतिमाह शुल्क वसूली के आदेश पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए। साथ ही कॉलोनी में नियमित साफ-सफाई, नालियों की सफाई, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट, सड़कों की मरम्मत, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा वर्षों से लंबित गार्डन, दुकान एवं स्कूल की सुविधा संबंधी वायदों को भी जल्द पूरा करने की मांग की गई है।

रहवासियों का कहना है कि जब कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं ही पर्याप्त नहीं हैं, तो उनके नाम पर शुल्क वसूली किस आधार पर की जा रही है? हाउसिंग बोर्ड प्रबंधन को इस संबंध में रहवासियों के समक्ष स्पष्ट जवाब देना चाहिए। कॉलोनीवासियों ने शासन एवं हाउसिंग बोर्ड के उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की समीक्षा कर अनुचित एवं अतिरिक्त शुल्क के संबंध में राहत प्रदान करने तथा कॉलोनी की मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने की मांग की है।

आंकाक्षी विकासखंड बोड़ला में डेटा आधारित कार्यों से समस्याओं के समाधान के लिए नीति तारा की नई तकनीक हुई शामिल

जिला पंचायत में नीति तारा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

आंकाक्षी विकासखंड बोड़ला में भारत सरकार नीति आयोग की महत्वाकांक्षी पहल नीति तारा-विश्लेषण, समीक्षा और कारर्वाई के लिए टूलकिट पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत कबीरधाम के सभा कक्ष में किया गया। मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल सहित आंकाक्षी विकासखंड बोड़ला से संबंधित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन में डेटा आधारित योजना और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों ने बताया कि नीति तारा एक पोर्टेबल गवर्नेंस टूल है जो किसी भी दीवार को इंटरएक्टिव स्क्रीन में बदलकर स्पेशियल मैप्स, परफॉर्मेंस डैशबोर्ड और लाइव की परफॉर्मिंग इंडेक्स को दिखाता है। इससे विकास कार्यो की समीक्षा और सेवा वितरण में आ रही कमियों को तुरंत पहचाना जा सकता है और समय रहते सेवा वितरण के कार्य क्षेत्र में सुधार किया जा सकता है। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई आधारित बैठक कायर्वाही और जियोस्पेशियल डेटा के उपयोग से प्लानिंग करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

प्रशिक्षण में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने अधिकारियों को विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस नई तकनीक को अपनाने पर जोर दिया। आंकाक्षी विकासखंड के लिए निर्धारित सभी की परफॉर्मेंस इंडेक्स पर सतत प्रयास करते हुए मॉडर्न तकनीक द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति का आह्वान किया गया। आंकाक्षी विकासखंड बोड़ला क्षेत्र के सभी 125 ग्राम पंचायतों में स्कूल शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागीय योजनाओं से आम जनों को लाभान्वित करने की बात कही गई।

विश्व स्तनपान सप्ताह दिवस पर विशेष जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी विश्व स्तनपान सप्ताह दिवस पर जिला चिकित्सालय परिसर बसंतपुर में आयोजित विशेष जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नवजात शिशुओं के समुचित पोषण एवं स्वस्थ्य भविष्य के लिए स्तनपान को बढ़ावा देने तथा इसके प्रति समाज को जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं की माताओं एवं उनके परिजनों को मां के दूध के महत्व और शिशु के सही पोषण से संबंधित जानकारी दी गई। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी भ्रांतियों को दूर किया।

कार्यक्रम में बताया गया कि शिशु के जन्म के तुरंत बाद (पहले एक घंटे के भीतर) दिया जाने वाला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) बच्चे के लिए पहला टीका होता है। यह नवजात शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करता है और उसे कई घातक बीमारियों से बचाता है। जीवन के शुरूआती 6 महीनों तक शिशु को केवल मां का दूध ही देना चाहिए। माताओं को स्तनपान कराने के सही तरीके, मुद्रा (पोजीशन) और अपने खान-पान व पोषण का ध्यान रखने की सलाह दी। इस दौरान बताया गया कि मां का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना शिशु के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने महिलाओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही शासकीय नर्सिंग कालेज की छात्राओं द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह का महत्व पर आधारित एक प्रेरक नाट्य प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बसंल, मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ, अल्पना लूनिया, सिविल सर्जन सह अस्पताल मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेन्द्र प्रसाद, डॉ. माधुरी खुटें, डॉ. विक्रम बैद, डॉ. कमलेश जंघेल, डॉ. तरूण कोठारी, नर्सिंग कालेज के प्राचार्य श्रीमती ममता नायक, प्रसूति विभागाध्यक्ष, शिशु रोग विभागाध्यक्ष सहित विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे।

अभियान

जनभागीदारी से होगा वर्षा जल का संरक्षण कृ भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में जिला प्रशासन की अभिनव पहल

मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत आज से शुरू होगा एक सोख्ता

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में भूजल स्तर के संरक्षण, वर्षा जल के संचयन एवं जल स्रोतों के संवर्धन की दिशा में जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा एक महत्वपूर्ण जनअभियान की शुरुआत की जा रही है। मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत 13 अगस्त 2026 से एक सोख्ता, संतान के नाम अभियान प्रारंभ किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक परिवार को जल संरक्षण से जोड़ते हुए वर्षा के पानी को जमीन में पहुंचाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

हर घर बनेगा जल संरक्षण का केंद्र

एक सोख्ता, संतान के नाम अभियान के तहत जिले के प्रत्येक घर में कम से कम एक सोख्ता गड्ढे का निर्माण जनसहयोग एवं जनभागीदारी के माध्यम से स्वयं किए जाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा। घरों की छत एवं आसपास की सतह से प्राप्त वर्षा जल को सोख्ता गड्ढे के माध्यम से जमीन में पहुंचाकर भूजल पुनर्भरण (ग्राउंड वाटर रिचार्ज) को बढ़ावा दिया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए नागरिकों को सोख्ता गड्ढे के निर्माण की तकनीकी जानकारी, आवश्यक मार्गदर्शन एवं उपयोगी सुझाव उपलब्ध कराए जाएंगे। ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से अभियान को व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

संतान के नाम से जुड़ा है भविष्य का संकल्प

अभियान को संतान के नाम से जोड़ने का उद्देश्य जल संरक्षण को केवल वर्तमान की आवश्यकता न मानकर आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करना है। प्रत्येक परिवार द्वारा अपने घर में एक सोख्ता गड्ढे का निर्माण करना आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। वर्षा ऋतु में बड़ी मात्रा में पानी बहकर नालियों एवं अन्य जल निकासी मार्गों से बाहर चला जाता है। ऐसे में सोख्ता गड्ढों के माध्यम से वर्षा जल को जमीन में उतारकर उसका भूजल पुनर्भरण किया जा सकता है। इससे जल स्रोतों पर दबाव कम करने के साथ-साथ भविष्य में जल संकट की संभावनाओं को भी कम किया जा सकेगा।

जिला प्रशासन का मानना है कि जल संरक्षण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए हर नागरिक और हर परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से एक सोख्ता, संतान के नाम अभियान को जनभागीदारी आधारित अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है। जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि वे 13 अगस्त 2026 को अपने घर में एक सोख्ता गड्ढा बनाकर इस अभियान का हिस्सा बनें और जल संरक्षण के इस संकल्प को अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाएं। एक परिवारकृएक सोख्ता की पहल से जिले में बड़ी संख्या में सोख्ता गड्ढों का निर्माण होने पर वर्षा जल के संरक्षण एवं भूजल स्तर के पुनर्भरण में व्यापक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

प्रयास, आने वाली पीढ़ी के लिए जल सुरक्षा

एक सोख्ता, संतान के नाम केवल एक निर्माण गतिविधि नहीं, बल्कि जल के प्रति जिम्मेदारी और भविष्य के प्रति संकल्प का अभियान है। प्रत्येक परिवार द्वारा अपने घर में बनाए गए एक सोख्ता गड्ढे को आने वाली पीढ़ी के लिए जल संरक्षण की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सौगात के रूप में देखा जा रहा है। जिला कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें, अपने घर में सोख्ता गड्ढे का निर्माण करें और अपने परिवार, पड़ोस एवं गांव के अन्य लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। सामूहिक जनभागीदारी से ही बेमेतरा जिले को जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नई दिशा दी जा सकती है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202608101000097/

विषय:- अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026,
कोहका प.ह.न. 00045 [8894 (0.01000)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार गोविंद राव मुदाफरे, सुरेन्द्र कुमार मुदाफरे, निलीमा मुदाफरे, हसिता अनिल मुदाफरे,
अनावेदक पक्षकार - गोविंद राव मुदाफरे, सुरेन्द्र कुमार मुदाफरे, निलीमा मुदाफरे, ना बा हसिता अनिल मुदाफरे,

ईश्तहार

आवेदिका/ आवेदक - सुरेन्द्र कुमार मुदाफरे पिता गोविन्द राव मुदाफरे निवासी रामनगर सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम - कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 8894 रकबा 0.01 है. भूमि आवेदक एवं अन्य खातेदारों के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी हसिता अनिल मुदाफरे का नाम नाबलिग दर्ज है। वर्तमान में बालिग होने कारण ना.बा. शब्द को विलोपित किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बी-1 की नकल, नक्षा खसरा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।2. प्रकरण पंजीबद्ध किया जावे।3. ईष्तहार का प्रकाषन हो।4. पटवारी से प्रतिवेदन लिया जावे।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 31.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगान

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/08/2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला-दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्रं. अ-6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निसार अहमद पिता मो० सोहराब निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प०ह०नं० 45 स्थित भूमि ख0 नं0 3356 रकबा 0.020 हे० भूमि आवेदक के माता रबिया खातून पति मोहम्मद सोहराब के नाम पर दर्ज है भूमि जो कि रबिया खातून पति मोहम्मद सोहराब के नाम पर भूमिस्दामी के रूप में दर्ज है, उक्त आवेदित भूमि के भूमिस्वामी रबिया खातून पति मोहम्मद सोहराब की मृत्यु होने से मृतक भूमिस्वामी के द्वारा मृत्यु पूर्व अपने जीवनकाल में आवेदक के नाम पर पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया था, भूमिस्वामी की मृत्यु होने पर आवेदित भूमि को पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18.08.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03..08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला-दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्रं. अ-27 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पोटलुरी बसवा किशोर पिता पोटलुरी कृष्ण मूर्ति निवासी स्मृति नगर भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि 2026/1 रकबा 2.4160 हे0 भूमि आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज हैं। उक्त भूमि को आपसी सहमति के आधार पर अपने पत्नी एवं पुत्री के मध्य खाताविभाजन कर पृथक पृथक ऋणपुरितिका प्राप्त किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 27.08.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

भिलाई : शिक्षक अभ्यर्थियों ने की विज्ञान, जीव विज्ञान व रसायन के पद जोड़ने की गई मांग

सीटीईटी रोल नंबर की अनिवार्यता हटाने और संशोधित विज्ञापन जारी करने की भी मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती 2026 को लेकर अभ्यर्थियों ने मंगलवार को भिलाई में प्रेसवार्ता कर सरकार से मांग की कि भर्ती में विज्ञान शिक्षक, जीव विज्ञान व्याख्याता और रसायन व्याख्याता के पद शामिल किए जाएं। साथ ही CTET अभ्यर्थियों को भी आवेदन का अवसर दिया जाए। अभ्यर्थियों ने कहा कि वर्तमान भर्ती विज्ञापन में विज्ञान विषयों के पर्याप्त पद शामिल नहीं हैं, जबकि शासकीय विद्यालयों में विज्ञान शिक्षकों और व्याख्याताओं की लगातार कमी बनी हुई है।

CTET को लेकर बड़ी समस्या

अभ्यर्थियों के अनुसार CTET परीक्षा 6 सितंबर 2026 को आयोजित होनी है। बड़ी संख्या में http://B.Ed. अभ्यर्थी इसमें शामिल होने वाले हैं। लेकिन वर्तमान ऑनलाइन आवेदन में CTET Roll Number को अनिवार्य फील्ड बना दिया गया है। इसके कारण जिन अभ्यर्थियों के पास अभी Roll Number नहीं है वे आवेदन ही नहीं कर पा रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि पूर्व की भर्ती में यह व्यवस्था थी कि परिणाम जारी होने तक पात्रता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी पात्र माने जाते थे। उन्होंने मांग की कि आवेदन में ऐसी व्यवस्था की जाए कि 6 सितंबर को CTET देने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकें और अंतिम पात्रता का निर्धारण CTET परिणाम या भर्ती नियमों में तय अंतिम तिथि के आधार पर हो।

अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगें

1. विज्ञान शिक्षक के पर्याप्त पद तत्काल जोड़े जाएं।
2. जीव विज्ञान व्याख्याता एवं रसायन व्याख्याता के रिक्त पदों को भर्ती में शामिल किया जाए।
3. विषयवार वास्तविक रिक्तियों का पुनः परीक्षण कर संशोधित भर्ती विज्ञापन जारी किया जाए।
4. आगामी 6 सितंबर 2026 को होने वाली CTET में शामिल होने वाले http://B.Ed. अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर दिया जाए।
5. ऑनलाइन आवेदन में CTET Roll Number की अनिवार्यता में संशोधन किया जाए।
6. CTET परिणाम के आधार पर अंतिम पात्रता तिथि तक पात्र होने वाले अभ्यर्थियों को भर्ती से बाहर न किया जाए।
7. तकनीकी समस्या के कारण आवेदन से वंचित अभ्यर्थियों को पुनः आवेदन का अवसर दिया जाए।

अभ्यर्थियों ने सरकार से अपील की है कि विभागीय स्तर पर रिक्त पदों की समीक्षा कर जल्द संशोधित विज्ञापन जारी किया जाए, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने का समान अवसर मिल सके।

मुद्दे की बात

डॉ. सोनाली चक्रवर्ती के साथ

आपके दोस्त कहीं आपके दुश्मन तो नहीं ?

आज मुद्दे की बात में हम बात करेंगे 'दोस्तों और दोस्ती' की। कोई पूछ सकता है -"दोस्ती कब से मुद्दा बन गई"? आज दोस्ती ही सबसे बड़ा मुद्दा है क्योंकि दोस्ती का असल अर्थ होता है संगति दोस्ती इंसान को बेहतर बनाने के लिए होती है। एक सच्चा दोस्त वही है जो अंधेरे में हाथ पकड़े, गलती पर टोके और सफलता पर बिना जलन के ताली बजाए। लेकिन आज "दोस्ती" शब्द का मतलब ही बदल गया है। अब दोस्ती का मतलब "गलत संगति" बन गया है।

आज दोस्ती की पहचान गालियों से, देर रात तक घूमने से, और साथ में शराब पीने से होने लगी है। अगर कोई दोस्त शराब या गलत काम से रोके तो उसे "बोरिंग" कह दिया जाता है। उल्टा जो साथ में बुराई करे, वही "पक्का यार" बन जाता है। यहां तक कि अधिकतर हत्याएं दोस्तों की शराब पार्टी के बीच एक दूसरे से विवाद होने पर ही हो जाती है।

"मेन विल बी मेन" कहकर लड़कों का समूह खुलेआम लड़कियों और महिलाओं पर गंदे कमेंट करता है, और बाकी दोस्त हंसकर साथ देते हैं। कोई टोकता नहीं। स्कूल-कॉलेज से लेकर ऑफिस तक, दोस्तों की गलत बात पर भी "यार छोड़ ना" कहकर सपोर्ट किया जाता है। इसी कारण बच्चे, जवान और बड़े तक बिगड़ रहे हैं। बदतमीजी, नशा, विवाद खड़े करना, तोड़फोड़ या सार्वजनिक जगहों पर हल्ला करने को को दोस्ती का स्टेटस सिंबल मान लिया गया है। दोस्ती अब सुधार का जरिया नहीं, बिगाड़ का बहाना बन गई है।

सच्ची दोस्ती आईने जैसी होती है। जो आपकी तारीफ भी करे और कमी भी दिखाए। सच्चा दोस्त रोकता है। जब आप गलत रास्ते पर हों तो डांटता है, साथ नहीं देता। यदि दोस्त सच में अच्छा है तो वह सम्मान सिखाता है।वो लड़कियों की इज्जत करना सिखाता है, मजाक उड़ाना नहीं। विकास में मदद करता है नशे में नहीं, मेहनत में साथ देता है। गिरे तो उठाता है। बिना शर्त खड़ा रहता है सुख में भी और दुख में भी, पर उस सुख के लिए जो आपको तोड़े नहीं।

दोस्ती का मतलब "जैसा तू वैसा मैं" नहीं है। दोस्ती का मतलब है "तू अच्छा बन, मैं तेरे साथ हूं"। अगर दोस्त आपको बिगाड़ रहा है तो वो दोस्त नहीं, भीड़ है। और भीड़ में इंसान अक्सर अपना विवेक खो देता है। दोस्ती चुनते समय देखिए - ये दोस्त आपको आपके माता-पिता से नजर मिलाने लायक बना रहा है या शर्मिंदा कर रहा है। क्योंकि अंत में चरित्र ही साथ जाता है, भीड़ नहीं। यदि सब लोग साथ दे तो समाज बेहतर बन सकता है जो कल हमारी बेटियों के लिए नए रास्ते बनाएगा। याद रखिए, दोस्ती का मतलब भीड़ में खो जाना नहीं, भीड़ से अलग पहचान बनाना है।

अगर आपके दोस्त आपको शराब, गाली और लड़कियों की बुराई तक ही सीमित रखते हैं, तो समझ जाइए आप दोस्ती नहीं, बर्बादी का रास्ता पकड़ रहे हैं। दोस्ती वो दौलत है जो आपको इंसान से बेहतर इंसान बनाती है। इसलिए दोस्त कम रखिए, पर ऐसे रखिए जो आपके माथे का तिलक हों कलंक नहीं। क्योंकि अंत में साथ कबीर का दोहा ही काम आएगा - "संगत से गुण होत है, संगत से गुण जात"

कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई: 25 कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण

20 को कारण बताओ नोटिस, 5 दुकानों में जप्ती-सुपुदर्गी, किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान दिलाने कलेक्टर के निर्देश पर छापेमारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने और कीटनाशकों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग ने जिले में 25 कीटनाशक विक्रय प्रतिष्ठानों का एक साथ औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश और उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में गठित टीमों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश दी।

टीमों ने अनुज्ञप्ति, स्टॉक रजिस्टर, उपलब्ध कीटनाशकों, विक्रय अभिलेखों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। कीटनाशी अधिनियम 1968 और कीटनाशी नियम 1971 के प्रावधानों के तहत जांच में अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

दुर्गा कृषि केन्द्र डुमरडीह, सिन्हा कृषि केन्द्र तिलई, छत्तीसगढ़ कृषि केन्द्र लखोली नाका राजनांदगांव, महावीर ट्रेडर्स बसंतपुर, सोनकर कृषि केन्द्र पुराना गंज चौक, भारत कृषि केन्द्र पुराना गंज चौक, प्रजापति कृषि सेवा केन्द्र कोकपुर, शिवम कृषि केन्द्र मोहड़, हरिओम कृषि केन्द्र अरसीटोला, साहू कृषि केन्द्र छुरिया, आरू कृषि केन्द्र छुरिया, लक्ष्मी कृषि केन्द्र छुरिया, सिन्हा कृषि केन्द्र धुसेरा, हरिओम कृषि केन्द्र मुसराकला एवं पूरन एग्रोटेक ढारा सहित कुल 20 विक्रय प्रतिष्ठानों को नोटिस दिया गया।

इनमें हुई जप्ती : श्री कृषि केन्द्र कुम्हालोरी, शिवशक्ति कृषि केन्द्र सुरगी, साहू कृषि केन्द्र उपरवाह, छत्तीसगढ़ कृषि केन्द्र सिंगारपुर एवं साहू कृषि केन्द्र कोकपुर में नियमानुसार जप्ती एवं सुपुदर्गी की कार्रवाई की गई।

क्या मिली गड़बड़ियां : उप संचालक कृषि श्री ठाकुर ने बताया कि निरीक्षण में बिना निर्धारित प्रक्रिया के कीटनाशकों का विक्रय, स्टॉक का उचित संधारण नहीं करना, अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन और निर्धारित मानकों के विपरीत व्यापार जैसी अनियमितताएं पाई गईं।

विभाग की चेतावनी : उप संचालक ने सभी लाइसेंसधारी विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक ही बेचें और शासन के सभी नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुणवत्ता, स्टॉक और विक्रय व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कीटनाशी अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिले में कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

संजय मिश्रा SECR की स्टेशन सलाहकार समिति में मनोनीत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

समाजसेवी एवं उद्योगपति संजय मिश्रा को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रएउफमंडल द्वारा रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। संजय मिश्रा रसमड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठित संस्थान 'श्री प्लस पेंट्स' के प्रबंध निदेशक हैं। वे लघु उद्योग भारती और दुर्ग इंडस्ट्रियल उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्यरत हैं।

युवाओं को उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ने तथा रोजगार सृजन के क्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में योगदान, मंदिर-मठों के संरक्षण एवं जन-जागरण के कार्यों के लिए उन्हें हाल ही में 'सेवा रत्न सम्मान' से भी नवाजा गया है।

श्री मिश्रा के मनोनयन पर रसमड़ा और दुर्ग औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों, व्यापारियों और लघु उद्योग भारती दुर्ग इकाई के पदाधिकारियों ने बधाई दी है। उद्योग प्रतिनिधियों का मानना है कि उनके समिति में शामिल होने से रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का विस्तार तेजी से होगा। माल परिवहन से जुड़ी स्थानीय उद्योगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव होगा और रेलवे प्रशासन और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। संगठन के सदस्यों ने विश्वास जताया कि संजय मिश्रा का यह नया दायित्व रेलवे के विकास और यात्रियों के सुखद अनुभव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100